लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

28 अक्टूबर 2026 बुधवार
वर्ष : 19 अंकः 116
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्यः 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com

यूपी विधान परिषद चुनाव

11 सीटों पर मतगणना जारी, मेरठ की दोनों सीटों पर भाजपा का कब्जा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद (एमएलसी) की 11 सीटों के लिए हुए चुनाव की मतगणना मंगलवार सुबह 8 बजे से कड़ी सुरक्षा के बीच जारी है। बैलेट पेपर से हो रही इस गिनती के कारण अंतिम नतीजों में देरी होने की संभावना है, लेकिन शुरुआती रुझानों और परिणामों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दबदबा साफ नजर आ रहा है। समाचार लिखे जाने तक भाजपा ने मेरठ खंड की दोनों सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली है, जबकि कई अन्य सीटों पर पार्टी के प्रत्याशी मजबूत बढ़त बनाए हुए हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ से भाजपा के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। मेरठ–सहारतपुर स्नातक सीट से भाजपा प्रत्याशी दिनेश गोयल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को शिकस्त देकर जीत का परचम लहराया। इसके साथ ही मेरठ शिक्षक सीट पर भी भाजपा के खाते में बड़ी सफलता आई है। इन दोनों सीटों पर मिली जीत से भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है।

राजधानी लखनऊ की शिक्षक सीट पर मुकाबला बेहद दिलचस्प बना हुआ है। यहाँ पहले राउंड की समाप्ति के बाद भाजपा के उमेश द्विवेदी ने 7,189 वोट पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सपा के सुशील कुमार (3,537 वोट) पर 3,652 मतों की भारी बढ़त बना ली है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले राउंड में इस बढ़त को काटना सपा के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होगा।

गोरखपुर–फैजाबाद शिक्षक सीट पर भी भाजपा के ध्रुव कुमार त्रिपाठी अपने प्रतिद्वंदियों को पछाड़कर आगे चल रहे हैं। हालांकि, पूर्वांचल की दूसरी सबसे हॉट सीट यानी प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की स्नातक सीट पर भाजपा को कड़ी टक्कर मिल रही है। वाराणसी में समाजवादी पार्टी के लाल बिहारी आगे चल रहे हैं और भाजपा के प्रमोद मिश्रा पीछे हैं। वहीं, आगरा शिक्षक सीट पर भी सपा समर्थित प्रत्याशी आकाश अग्रवाल ने शुरुआती राउंड से ही बढ़त बना रखी है।

मतगणना के दौरान कई केंद्रों पर भारी राजनीतिक सरगर्मी और तनाव का माहौल देखा गया। लखनऊ मतगणना स्थल पर भाजपा और सपा के कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक और हंगामे की खबरें आईं, जिसके बाद पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। इस बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रशासन पर चुनाव में धांधली और मतपेटियों के साथ छेड़छाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया है।

सपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए निर्वाचन आयोग और स्थानीय प्रशासन ने इन्हें सिरे से खारिज कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि मतगणना पूरी तरह पारदर्शी है और सभी दलों के एजेंटों की मौजूदगी में सीसीटीवी की निगरानी में हो रही है। सुरक्षा के बेहद पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और देर रात या बुधवार सुबह तक सभी सीटों के आधिकारिक परिणाम आने की उम्मीद जताई जा रही है।

हम पहले प्रयास में ही मंगल ग्रह तक पहुचे : पीएम मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली। पीएम मोदी मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित इमर्जिंग साइंस–टेक्नोलॉजी और इनोवेशन कॉन्क्लेव में में दर्शकों को संबोधित कर रहे हैं। अपने भाषण में साइंस और तकनीक पर बोलते हुए पीएम ने कहा,आज भारत के युवा जिस स्किल पर सोच रहे हैं, जिस आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं, वह उत्साह बढ़ाने वाला है। पीएम ने आगे कहा, आज हम पहले प्रयास में ही मंगल ग्रह तक पहुंचते हैं। हम चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचते हैं, जहां कोई नहीं पहुंच पाया। दुनिया में कुछ इनोवेटिव होता था तो कुछ सालों बाद वो तकनीक हम तक पहुंचती थी। हम उसे अपनाते थे या उसमें कुछ सुधार करके आगे बढ़ाते थे। लेकिन आज 21वीं सदी का भारत एक नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य भारत के लिए, दुनिया के लिए, आज के लिए, आने वाले कल के लिए नई टेक्नोलॉजी बनाना, उसकी दिशा तय करना और दुनिया की समस्याओं के समाधान देने की शक्ति विकसित करना है। कोरोना काल में हमने इसका उदाहरण देखा है। जब दुनिया के अनेक देश वैक्सीन की उपलब्धता को लेकर चुनौतियों का सामना कर रहे थे, भारत ने अपनी वैक्सीन विकसित की। भारत ने बड़े स्तर पर वैक्सीनेशन किया और दूसरे देशों को भी वैक्सीन भेजी। यही 21वीं सदी के भारत का आत्मविश्वास है। शून्य की खोज से लेकर संख्या प्रणाली के विकास और खगोल विज्ञान में प्रगति तक, भारत की संस्कृति हमेशा ज्ञान और खोज पर आधारित रही है। आज, हम आधुनिक तकनीक और नए आत्मविश्वास के साथ इस वैज्ञानिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। इन बदलावों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं। 30 अक्टूबर को, जब पूरा देश डॉ. होमी जहांगीर भाभा की जयंती मनाने की तैयारी कर रहा है, तो परमाणु ऊर्जा से चर्चा की शुरुआत करना बिल्कुल उचित होगा। जैसा कि आप सभी जानते हैं, एक शविकसित भारतश के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर परमाणु ऊर्जा की आवश्यकता है। परमाणु ईंधन के आयात पर हमारी निर्भरता हमारी ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक चुनौती है। इसलिए, भारत अपनी खुद की फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तकनीक विकसित कर रहा है। कुछ महीने पहले, देश के 500 मेगावाट के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने पहली क्रिटिकलिटी हासिल की,।

छठ घाटों पर प्रकाश, सुरक्षा और सफाई में न हो कोई कोताही सीएम रेखा गुप्ता का अधिकारियों को सख्त निर्देश

एजेंसी,दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छठ घाटों पर साफ–सफाई, मरम्मत, रंग–रोगन, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े सभी कार्य सर्वोच्च

प्राथमिकता पर पूरे करने के अधिकारियों को सोमवार को निर्देश दिए। गुप्ता ने कहा कि तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में कहा कि उन्होंने सूर घाट पर छठ महापर्व की तैयारियों का निरीक्षण करने के बाद यह निर्देश दिए। गुप्ता ने घाट परिसर की व्यापक साफ–सफाई, जरूरी स्थानों पर मरम्मत और रंग–रोगन कर उसे स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षों से खराब पड़े हिस्सों को अस्थायी रूप से ठीक करने के बजाय उनकी समुचित मरम्मत की जाए। बयान के अनुसार, निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने जर्जर द्वार, जंग लगे ढांचे, मरम्मत की जरूरत वाले हिस्सों, साफ–सफाई आदि को तुरंत दुरुस्त करने के निर्देश दिए और चेतावनी दी कि इस मामले में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रकाश व्यवस्था का जायजा लेते हुए मुख्यमंत्री ने घाट के दोनों ओर पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने और सभी लाइटों की जांच कर उन्हें दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश में प्राइवेट कर्मचारियों की मनमाने ढंग से छंटनी नहीं कर सकेंगी निजी कंपनियां

संवाददाता

लखनऊ। अब 300 या उससे अधिक श्रमिकों वाले उद्योगों को कर्मचारियों की छंटनी, काम बंद करने या ले–आफ से पहले सरकार की अनुमति लेनी होगी। वहीं, पहली बार नौकरी पाने वाले पात्र युवाओं को 15 हजार रुपये तक प्रोत्साहन मिलेगा। नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और उद्योगों के लिए नियमों का पालन आसान बनाने पर जोर दिया गया है। सोमवार को श्रम संवाद–2026 के समापन पर अधिकारियों ने इन प्रविधानों की जानकारी दी और उद्योगों की शंकाओं का समाधान किया।

दिवाली पर पटाखों के शोर और प्रदूषण पर बॉम्बे हाईकोर्ट सख्त

एजेंसी,मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिवाली के दौरान पटाखों से होने वाले शोर और वायु प्रदूषण को लेकर दायर स्वतः संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए महाराष्ट्र सरकार और प्रशासन की ओर से उठाए गए कदमों पर संतुष्टि जताई है। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि पहले के आदेशों के पालन में देरी हुई, लेकिन अब प्रशासन ने तेजी दिखाई है। जस्टिस जी. एस. कुलकर्णी और जस्टिस डॉ. नीला गोखले की पीठ ने 26 अक्टूबर के आदेश में यह टिप्पणी की। सुनवाई के दौरान मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती, बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिडे और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) की ओर से हलफनामा दाखिल कर प्रदूषण और शोर पर नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई। बीएमसी ने कोर्ट को बताया कि पर्यावरण विभाग के डिप्टी चीफ इंजीनियर अजय राणे को इस अभियान का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

पत्रकार से धक्का–मुक्की मामले में राहुल गांधी के खिलाफ याचिका पर 3 नवंबर को सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

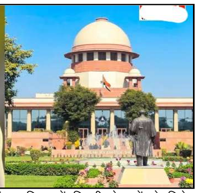

एजेंसी,नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह 3 नवंबर को एक गर्भवती महिला पत्रकार की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर धक्का–मुक्की करने का आरोप लगाया गया है। यह मामला इंडिया ब्लॉक के नेताओं के वोटर लिस्ट के एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट परिसर तक निकाले गए मार्च के दौरान का है। मामले का जिक्र वरिष्ठ वकील गौरव भाटिया ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के सामने किया। उन्होंने कहा कि महिला पत्रकार से जुड़ी याचिका अभी तक सुनवाई के लिए लिस्ट नहीं हुई है। गौरव भाटिया के जवाब में सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि मामले में पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है और इस पर 3 नवंबर को सुनवाई होगी। पत्रकार रिचा पराशर ने आरोप लगाया था कि जब वह विपक्षी नेताओं के मार्च को कवर कर रही थीं, तो राहुल गांधी ने उनका हाथ पकड़ा और आक्रामक तरीके से खींचा, जिसके बाद उनके सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें धक्का दिया और वह गिर गईं।

इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तीन महीने की गर्भवती रिचा पराशर ने आरोप लगाया कि यह घटना 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट परिसर में विपक्षी नेताओं के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई अफरा–तफरी के बीच हुई। कांग्रेस ने आरोपों से इनकार किया है और इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। वहीं पार्टी नेताओं और समर्थकों ने घटना के वीडियो प्रसारित किए हैं और सवाल उठाया है कि क्या वीडियो से यह साबित होता है कि राहुल गांधी ने पत्रकार को धक्का दिया।

मोदी विरोध में कांग्रेस सोचने, समझने, सुनने की क्षमता खो चुकी है : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी,भोपाल । केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरोध में विपक्षी पार्टी इतनी अंधी हो गई है कि उसने सोचने, समझने और सुनने की क्षमता खो दी है। चौहान ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि कांग्रेस की बुद्धि भ्रष्ट हो गई है और उसका मौजूदा व्यवहार एवं भाषा उसके पतन की पराकाष्ठा है। केंद्रीय कृषि मंत्री की यह टिप्पणी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वापस लेने और मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के प्रदर्शनों

के बीच आई है। चौहान ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरोध में कांग्रेस इतनी अंधी हो गई है कि उसने सोचने, समझने और सुनने की क्षमता खो दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रही है, वह उसके पतन के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) ने एसआईआर में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली करने की घोषणा की है।

उन्नाव में 85 व्यावसायिक संपत्तियों समेत 89 भूखंडों की ई-नीलामी शुरू, 18 नवंबर को लगेगी बोली

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव–शुक्लागंज विकास प्राधिकरण की संपत्तियों की ई–नीलामी प्रक्रिया का मंगलवार को निराला प्रेक्षागृह में उद्घाटन किया गया। जिलाधिकारी घनश्याम मीना और सदर विधायक पंकज गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राधिकरण की ओर से 85 व्यावसायिक संपत्तियों के अलावा एक आवासीय और तीन शैक्षणिक भूखंडों की नीलामी की जाएगी। इन संपत्तियों का अनुमानित मूल्य करीब 62 करोड़ रुपये बताया गया है। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कहा कि प्राधिकरण की संपत्तियों के आवंटन की प्रक्रिया पहली बार ऑनलाइन और डिजिटल माध्यम से की जा रही है। इससे नीलामी में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने नागरिकों से इस प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की। साथ ही बताया कि इच्छुक लोगों की मदद के लिए प्राधिकरण कार्यालय में हेल्प डेस्क बनाई जाएगी। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि उन्नाव के विकास को गति देने के लिए प्राधिकरण की योजनाओं में लोगों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से व्यावसायिक, आवासीय और शैक्षणिक संपत्तियों की नीलामी में हिस्सा लेने की अपील की। नगर मजिस्ट्रेट एवं प्राधिकरण के सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि संपत्तियों के पंजीकरण की प्रक्रिया 27 अक्टूबर से शुरू हो गई है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 16 नवंबर है। ऑनलाइन नीलामी 18 नवंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। इच्छुक लोग प्राधिकरण की वेबसाइट नेकंनददंव.पद पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सचिव के मुताबिक, वर्ष 2012 के बाद प्राधिकरण की खाली पड़ी संपत्तियों को नीलामी के माध्यम से बेचने की पहल की जा रही है। भविष्य में करीब 100 करोड़ रुपये मूल्य की अन्य संपत्तियों को भी नीलामी प्रक्रिया में शामिल करने की योजना है। कार्यक्रम में एसडीएम सदर राजेश विश्वकर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष रजनीकांत श्रीवास्तव, आईआईए अध्यक्ष अरुण माहेश्वरी, बार एसोसिएशन अध्यक्ष रतेंद्र पाल समेत विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और व्यापारी मौजूद रहे।

महेवागंज में उल्ल नदी के पास कचरे का ढेर, बदबू से लोग परेशान, नगर पालिका की व्यवस्था पर उठे सवाल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। महेवागंज में उल्ल नदी के पास नगर पालिका द्वारा कचरा डाले जाने को लेकर स्थानीय लोगों की परेशानी का मुद्दा सामने आया है। बताया जा रहा है कि नदी के दोनों तरफ जमा कचरे से काफी बदबू आती है, जिससे आसपास के लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

कचरे से फैलने वाली दुर्गंधा ने साफ–सफाई और कचरे के उचित निस्तारण की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। यदि खुले में कचरा जमा हो रहा है, तो इससे आसपास के वातावरण और नदी की स्वच्छता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि कचरा निस्तारण के लिए क्या उचित व्यवस्था की गई है? क्या संबंधित अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया है? क्या कचरे से फैलने वाली बदबू को रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं?

स्थानीय लोगों की परेशानी को देखते हुए संबंधित अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे मौके की स्थिति का निरीक्षण कर कचरे के सुरक्षित निस्तारण और साफ–सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

अब देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या पर कब ध्यान देते हैं और लोगों को बदबू से राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

फेसबुक पर छवि धूमिल करने और जान से मारने की धमकी का आरोप, महिला ने मांगी सुरक्षा

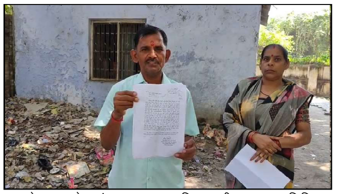

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। गंगाघाट थाना क्षेत्र के शुक्लागंज निवासी एक महिला ने अपने भतीजे पर फेसबुक के माध्यम से कथित तौर पर गलत आरोप लगाने, चरित्र पर टिप्पणी कर सामाजिक छवि धूमिल करने और परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस–प्रशासन से शिकायत कर कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। श्रीनगर, पोनी रोड निवासी गीता तिवारी पत्नी उमेश त्रिपाठी के अनुसार, वह मूल रूप से माखी थाना क्षेत्र के पवई गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका भतीजा मनीष कुमार रंजिश के चलते फेसबुक पर उनके खिलाफ गलत आरोप–प्रत्यारोप लगा रहा है। इससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है। महिला ने खुद और अपने परिवार को खतरा होने की आशंका भी जताई है। शिकायत में महिला ने आरोपी के खिलाफ पूर्व में विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज होने और गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई किए जाने का भी उल्लेख किया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पीड़िता के मुताबिक, उन्होंने तीन अक्टूबर 2026 को संपूर्ण समाधान दिवस में भी शिकायत दी थी, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने और परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है। मामले में पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है।

सीतापुर क्रेता–विक्रेता सम्मेलन मॉडल प्रदेश के सभी जनपदों में होगा लागू

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर जनपद के पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पाद दरी को बढ़ावा देने एवं बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 24 एवं 25 अक्टूबर 2026 को सीतापुर शिक्षा संस्थान रस्यौरा में प्रथम क्रेता–विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बुनकरों एवं उत्पादकों ने अपने स्टॉल लगाए तथा देश–विदेश से आए व्यापारियों ने स्थानीय उत्पादों का अवलोकन किया।

सीतापुर में आयोजित इस सफल कार्यक्रम के मॉडल को अन्य जनपदों में भी लागू किया जाएगा जिससे स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध हो सकेगा तथा बुनकरों एवं उत्पादकों की आय में वृद्धि के अवसर बढ़ेंगे।

केशव ग्रीन सिटी मामला : गिरफ्तारी की मांग को लेकर किसान मंच का धरना सांसद राकेश राठौर ने दिया समर्थन

एक सप्ताह में गिरफ्तारी नहीं हुई तो 3 नवंबर को फिर होगा धरना–प्रदर्शन

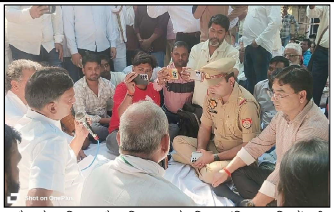

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। केशव ग्रीन सिटी प्रकरण में जिला अधिकारी द्वारा जांच कराए जाने और थाना रामकोट में सरकारी अधिकारियों की ओर से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कराए जाने के बावजूद वांछित व्यक्तियों की गिरफ्तारी न होने के विरोध में किसान मंच के साथियों ने धरना–प्रदर्शन किया। धरने में सीतापुर के कांग्रेस सांसद राकेश राठौर शामिल हुए और उन्होंने किसान मंच की मांगों का समर्थन करते हुए प्रशासन से शीघ्र गिरफ्तारी की मांग उठाई। धरने के दौरान सांसद राकेश राठौर ने पुलिस और जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब प्रशासन की जांच के बाद सरकारी अधिकारियों की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है तो फिर वांछित व्यक्तियों की गिरफ्तारी क्यों नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी के छोटे से मामले में पुलिस तत्काल गिरफ्तारी कर लेती है लेकिन प्रशासन की ओर से दर्ज एफआईआर में कार्रवाई को लेकर देरी क्यों की जा रही है। उन्होंने मामले में शीघ्र कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की।

धरना–प्रदर्शन के दौरान अतिरिक्त मजिस्ट्रेट और थाना रामकोट प्रभारी से वार्ता हुई। वार्ता के क्रम में किसान मंच की ओर से स्पष्ट किया गया कि यदि एक सप्ताह के भीतर वांछित व्यक्तियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो आगामी 3 नवंबर 2026 को पुनः धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। धरने में किसान मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी शिव प्रकाश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सुल्तानपुर में अर्णब तूफान से भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

सुल्तानपुर,संवाददाता। जिले में चक्रवाती तूफान श्अर्णबश के असर से यूपी के मौसम में बदलाव आएगा। 28 से 31 अक्टूबर के बीच कई हिस्सों में तेज हवाओं संग भारी बारिश का जिला प्रशासन द्वारा मंगलवार को ही ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, अर्णब 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश और यानम तटों को पार करेगा। हवा की रफ्तार 125–135 किमीध्घंटा रह सकती है, जो झोंकों संग 150 किमीध्घंटा तक पहुंचेगी।

सीजेए के असोथर ब्लॉक अध्यक्ष बने राम प्रताप दिवाकर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

फतेहपुर। पत्रकारों के संगठन साइबर जर्नलिस्ट एसोसिएशन (सीजेए) ने संगठन विस्तार के तहत पत्रकार राम प्रताप दिवाकर को असोथर ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह ने उन्हें जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन की नियमावली और दिशा–निर्देशों की जानकारी दी।

इस दौरान जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह ने कहा कि जल्द ही जिले में सदस्यता अभियान चलाकर संगठन का विस्तार किया जाएगा। वहीं, संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद जर्रेयाब खान ने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने की बात कही। वहीं राम प्रताप दिवाकर ने कहा कि वह असोथर ब्लॉक में सदस्यता अभियान चलाकर संगठन का विस्तार करेंगे और शीर्ष नेतृत्व के निर्देशों का पालन करेंगे। उनके मनोनयन पर क्षेत्रीय पत्रकारों ने हर्ष व्यक्त किया।

साकेत धाम रामलीला में राजतिलक के बाद गरबा उत्सव की धूम, भक्ति और संस्कृति के रंग में रंगेगा उन्नाव

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। साकेत धाम श्री रामलीला कमेटी के तत्वावधान में 27 अक्टूबर की शाम छह बजे आयोजित गरबा उत्सव में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। प्रभु श्रीराम के राजतिलक के उपरांत गरबा उत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। भक्ति और उत्साह से सराबोर इस आयोजन ने रामलीला महोत्सव की रौनक में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में श्रद्धा, संस्कृति और सामाजिक एकता का संदेश प्रमुखता से उभरकर सामने आया। साकेत धाम श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष संजय राठी, महामंत्री शशांक अवस्थी, मुख्य सेवायत कृष्ण प्रिय मोती श्याम, जसमीत सिंह अरोड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश अवस्थी तथा प्रबंधक संजीव गुप्ता उर्फ राजा भैया सहित कमेटी केपदाधिकारियों एवं सदस्यों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में कौशल किशोर यादव, इंद्रप्रकाश अवस्थी, एडवोकेट विनोद शर्मा, जगदीश महेश्वरी, महेश गुप्ता, एडवोकेट अजय श्रीवास्तव, सभासद निशेष जायसवाल और नितिश श्रीवास्तव भी शामिल रहे।

आयोजन में पत्रकार प्राचीन मिश्रा, श्याम जी गुप्ता और डॉ. मनीष सिंह सेंगर की उपस्थिति रही। महिला मंडल की ओर से कीर्ति गुप्ता, रीतु गुप्ता, प्राची गुप्ता, दिव्या शुक्ला और श्वेता ओमर सहित विशिष्ट महिला मंडल की महिलाओं ने सहभागिता की। सभी की मौजूदगी ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। प्रभु श्रीराम के राजतिलक के बाद आयोजित गरबा उत्सव ने धार्मिक आयोजन को सांस्कृतिक उल्लास से जोड़ते हुए उत्सव का आकर्षण बढ़ाया। साकेत धाम श्री रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम धार्मिक परंपराओं के संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने और समाज में आपसी सौहार्द की भावना मजबूत करने का माध्यम बना।

टिकैत के आगमन पर किसानों ने कटोघन टोल प्लाजा पर किया जोरदार मार्च

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

फतेहपुर। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत के फतेहपुर आगमन पर किसानों और यूनियन कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। मंगलवार को खागा क्षेत्र के कटोघन टोल प्लाजा पर बड़ी संख्या में एकत्रित होकर किसानों ने जोरदार मार्च निकाला और अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। किसानों को संबोधित करते हुए राकेश टिकैत ने सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कर्ज माफी और किसानों की जमीनों की नीलामी रोकने की मांग को प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही उन्होंने बिजली के निजीकरण और फसलों के सही दाम न मिलने जैसे मुद्दों पर भी सरकार को घेरा। टिकैत ने किसानों से पूरी लगन के साथ खेती करने की अपील की। इस दौरे के दौरान उन्होंने खागा में भाकियू के नए तहसील कार्यालय का भी विधिवत उद्घाटन किया।

उन्नाव में भाजपा की बैठक, 3 नवंबर की लखनऊ रैली के लिए रणनीति तैयार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला कार्यालय में जिला पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विपक्ष के कथित भ्रामक दुष्प्रचार और अराजक माहौल के विरोध में चलाए जा रहे देशव्यापी लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ महाअभियान पर चर्चा हुई।

मुख्य अतिथि क्षेत्रीय मंत्री रामकुमार वर्मा और जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में आगामी 3 नवंबर को लखनऊ में होने वाले विशाल प्रदेश स्तरीय पैदल मार्च और रैली की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में उन्नाव जनपद से 14 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं और आम जनता को लखनऊ ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है।

आयोजन को सुव्यवस्थित करने के लिए विधानसभावार प्रभारियों, वाहन प्रमुखों और भोजन प्रमुखों की नियुक्तियां कर दी गई है

। इस दौरान जिला महामंत्री प्रवीण सिंह नूतन, रजनीश वर्मा, मनीष जायसवाल सहित भारी संख्या में जिला उपाध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष और पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संदिग्ध हालात में दो दोस्तों की मौत

सुल्तानपुर,संवाददाता। कोतवाली देहात अंतर्गत दूबेपुर ब्लॉक मुख्यालय के पास सोमवार रात करीब नौ बजे दो दोस्त डब्लू चौबे (42) और विजय जायसवाल (30) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सीओ लंभुआ ऋतिक कपूर ने कहा कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। पीएम रिपोर्ट से मौत की वजह साफ होगी। भंडारे के बाद ये दोनों दोस्त दूबेपुर गए थे। वे एक दुकान पर बैठे थे, तभी उन्हें उल्टी हुई और वे गिर पड़े। विजय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि डब्लू को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सोशल मीडिया पर सड़क हादसे की खबरें फैलीं, पर चोट नहीं लगी थी।

पुलिस ने चोरी के मामले में एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर,संवाददाता।

गौराबादशाहपुर थाना पुलिस ने चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए मंगलवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से पीली धातु के एक जोड़ी टप्स बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कृष्ण मुरारी मिश्रा उर्फ पिंटू पुत्र राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, निवासी सोनारी, थाना गौराबादशाहपुर, जौनपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, बालेमऊ निवासी अंजू पुत्री शारदा प्रजापति की तहरीर पर 26 अक्टूबर 2026 को चोरी के संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में जांच के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर बरामदगी की।

न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में रामपुर गढ़ौवा और हसनपुर का दबदबा

उन्नाव,संवाददाता। रामपुर गढ़ौवा न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया। प्राथमिक स्तर के परिणामों में प्राथमिक विद्यालय हसनपुर ने कबड्डी में बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में विजेता बनकर शानदार प्रदर्शन किया। खो–खो में हसनपुर की बालिका टीम चैंपियन रही, जबकि दृगपाल खेड़ा की बालिका टीम ने भी स्वर्ण पदक जीता। 50 मीटर दौड़ में बयारी के सनी ने बालक वर्ग में और करौंदी की नाज ने बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में हसनपुर के आयुष बालक वर्ग में प्रथम रहे, जबकि बालिका वर्ग में हसनपुर की अवंतिका ने पहला स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग की प्रतियोगिताओं का आयोजन बीईओ औरास के सम्मुख हुआ।परिणामों में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में समीर ने गोला फेंक, 400 मीटर दौड़ और लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीतकर व्यक्तिगत चौंपियनशिप पक्की की। बीईओ ने रामपुर गढ़ौवा के समीर को गोल्ड मेडल पहनाकर आगे की प्रतियोगिताओं के लिए बधाई दी। शुभम ने चक्का फेंक और 600 मीटर दौड़ में गोल्ड हासिल किया। 100 मीटर दौड़ में हसनपुर के नीतेश जबकि बालिका वर्ग में हसनपुर की वर्षा ने गोल्ड जीता। बालिका वर्ग में नैना ने लंबी कूद, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर व्यक्तिगत चौंपियनशिप लपकी। ऊंची कूद में लवकुश ने स्वर्ण पदक हासिल किया। कबड्डी में उच्च प्राथमिक विद्यालय हसनपुर की बालक एवं बालिका टीमों ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि खो–खो में उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा की बालिका टीम और हसनपुर की बालक टीम विजेता रही व्यक्तिगत पदकों में उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा ने सर्वाधिक मेडल जीतकर ओवरऑल उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

धौरहरा में 115 जोड़ों ने थामा एक–दूजे का हाथ, नौ मुस्लिम जोड़ों का हुआ निकाह

लखीमपुर खीरी,संवाददाता। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत मंगलवार को धौरहरा स्थित राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुल 115 जोड़े विवाह के बंधन में बंधे, जबकि नौ मुस्लिम जोड़ों का निकाह उनकी धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय वैवाहिक जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समाज कल्याण विभाग की ओर से जिला समाज कल्याण अधिकारी वंदना सिंह के नेतृत्व में आयोजित समारोह सुबह 10 बजे शुरू हुआ। राजकीय इंटर कॉलेज परिसर को आकर्षक झालरों से सजाया गया था। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हिंदू जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया, जबकि मुस्लिम जोड़ों का निकाह उनकी धार्मिक रीति–रिवाजों के अनुसार हुआ। विवाह की रस्में पूरी होने के बाद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवदंपतियों को शुभकामनाएं दीं। सामूहिक विवाह समारोह के लिए धौरहरा ब्लॉक के 58, नगर पंचायत धौरहरा के एक और ईसानगर ब्लॉक के 56 जोड़ों का पंजीकरण किया गया था। इस प्रकार कुल 115 जोड़े समारोह में शामिल हुए। आयोजन में वर–वधुओं और उनके परिजनों के बैठने तथा भोजन की व्यवस्था की गई थी। विवाह की रस्में पूरी होने के बाद नवदंपतियों को योजना के तहत निर्धारित उपहार और गृहस्थी का सामान वितरित किया गया। सामान प्राप्त करने के लिए वर–वधुओं की कतारें लगी रहीं। विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटियों के विवाह में आर्थिक सहायता देकर राहत प्रदान कर रही है। योजना से पात्र परिवारों को विवाह संबंधी खर्च में मदद मिलती है। समारोह में नए जीवन की शुरुआत करने वाले जोड़ों और उनके परिजनों में उत्साह दिखाई दिया।

बेसिक व माध्यमिक शिक्षा के 1.70 लाख से अधिक नान-टीचिंग स्टाफ को मुफ्त इलाज का तोहफा

' राज्य सरकार उठाएगी 51 करोड़ रुपये से अधिक का सालाना वित्तीय भार

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य के बेसिक, माध्यमिक और संस्कृत शिक्षा विभागों के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों (नॉन-टीचिंग स्टाफ) के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास (5-कालिदास मार्ग) पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के 1.70 लाख से अधिक शिक्षणेत्तर कर्मियों और उनके आश्रित परिजनों को सरकारी व संबद्ध निजी अस्पतालों में मुफ्त कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने के प्रस्ताव को औपचारिक मंजूरी दे दी गई। इस योजना का पूरा खर्च राज्य सरकार खुद वहन करेगी, जिससे सरकारी खजाने पर सालाना 51.11 करोड़ रुपये का वित्तीय भार आएगा। सभी कर्मचारियों और उनके आश्रितों को स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड INTEGRATED सर्विसेज (साचीज) के माध्यम से आयुष्मान भारत योजना की स्वीकृत दरों पर तत्काल प्रभाव से इनडोर इलाज की सुविधा मिलेगी।

बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर

बेसिक शिक्षा परिवार को कैशलेस चिकित्सा का लाभ देने की जो घोषणा की थी, उसे कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कर पूरा कर दिया गया है। इस ऐतिहासिक निर्णय से परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों, अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों, वित्त विहीन विद्यालयों और समग्र शिक्षा परियोजना में कार्यरत 1,22,304 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को सीधा लाभ मिलेगा। इनके प्रीमियम के लिए सरकार प्रति वर्ष 36.69 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि शिक्षणेत्तर कर्मी शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं। सरकार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अशासकीय सहायता प्राप्त और वित्त विहीन माध्यमिक व संस्कृत विद्यालयों और महाविद्यालयों के 48,062 शिक्षणेत्तर कर्मियों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान किया है। इसके लिए राज्य सरकार 14.42 करोड़ रुपये का वार्षिक वित्तीय व्यय वहन करेगी।

अपर मुख्य सचिव (बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा) पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि दोनों विभागों को मिलाकर कुल 1,70,366 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और उनके परिवारों को अंतर्रोगी विभाग (प्च्क) में कैशलेस उपचार की सुविधा दी जा रही है। लाभार्थियों को साचीज से जुड़े निजी व सरकारी अस्पतालों में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की अनुमोदित दरों पर पारदर्शी, कैशलेस व गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिलेगी।

मान्यता प्राप्त पत्रकारों को कैशलेस इलाज की सुविधा, पोर्टल जल्द होगा शुरू

एक सप्ताह में पत्रकारों व आश्रितों का विवरण अपलोड करने के निर्देश

लखनऊ। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने के लिए विकसित पोर्टल को शुरू करने की सहमति मिल गई है। सूचना निदेशक विशाल सिंह की अध्यक्षता में पोर्टल संचालन का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

इस दौरान आवेदन, सत्यापन और आयुष्मान कार्ड डाउनलोड करने की प्रक्रिया का लाइव डेमो दिया गया। इसमें मुख्यालय और सभी जिला सूचना कार्यालयों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने भाग लिया।

सूचना निदेशक ने जिला सूचना अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके परिजनों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनका विवरण सभी औपचारिकताएं पूरी कर एक सप्ताह के भीतर पोर्टल पर अपलोड करें। इसकी सूचना मुख्यालय को भी दें, ताकि आगे की कार्रवाई शीघ्र पूरी की जा सके। उन्होंने कार्य में लापरवाही न बरतने की हिदायत दी।

छात्रसंघ बहाली की मांग को लेकर बीएचयू में अनिश्चितकालीन धरना शुरू

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) परिसर में छात्रसंघ बहाली की मांग को लेकर एक बार फिर आंदोलन तेज हो गया है। मंगलवार को बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने छात्रसंघ भवन परिसर स्थित डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए चुनाव कराने की मांग उठाई। आंदोलनकारी छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय में छात्रसंघ की बहाली केवल एक चुनाव नहीं, बल्कि परिसर में छात्रों की आवाज को मजबूती देने और उनके अधिकारों की रक्षा करने का एकमात्र जरिया है। वर्तमान व्यवस्था में छात्र-छात्राओं को छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छ पेयजल और बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन प्रशासन के पास उनकी शिकायतों का कोई ठोस समाधान नहीं है। छात्राओं के लिए रात 10 बजे के बाद लागू पाबंदियों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने जल्द ही चुनाव कराने को लेकर कोई स्पष्ट और लिखित आश्वासन नहीं दिया, तो वे भूख हड़ताल शुरू करने को बाध्य होंगे।

बीजेपी को बड़ा झटका, 2 बार के पूर्व सांसद ने थामा समाजवादी पार्टी का दामन

संवाददाता

लखनऊ उत्तर प्रदेश की आवंला (बरेली) लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के दो बार सांसद रहे धर्मेंद्र कुमार कश्यप मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल हो गए। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री कश्यप ने लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में आधिकारिक रूप से सपा की सदस्यता ली।

कश्यप अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। सूत्रों ने बताया कि कश्यप को राज्यसभा का टिकट मिलने की उम्मीद थी, लेकिन उनका नाम सूची में शामिल नहीं किया गया। भाजपा ने बरेली जिले से ही पशुधन व दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री व झारखंड के पूर्व राज्यपाल संतोष गंगवार की बेटी श्रुति गंगवार को उम्मीदवार बनाया, जो राज्यसभा में निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। अखिलेश यादव की मौजूदगी में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कश्यप ने कहा कि राज्य में खराब कानून-व्यवस्था के कारण लोग भाजपा सरकार से तंग आ चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बुलडोजर उनकी अपनी जाति के लोगों पर नहीं चलता, बल्कि गरीबों को निशाना बनाया जाता है।

काशी में जुटेंगे 3000 संत, बलूच प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। काशी में तीन से पांच नवंबर तक होने वाली छठवीं संस्कृति संसद में देशभर के करीब तीन हजार साधु-संत जुटेंगे। इनमें विद्वान, वैज्ञानिक, विशेषज्ञ, संस्कृति युवा और कलाकारों के साथ बलुचिस्तान के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। बलूचिस्तान की आजादी के मुद्दे पर मंथन के साथ आगे की रणनीति और रोडमैप तैयार की जाएगी। रॉ के पूर्व निदेशक एनके सुद भी अपनी पत्नी के साथ कार्यक्रम में शामिल होंगे। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी आ सकते हैं। मुख्य आयोजन से पहले दो नवंबर को अपराहन तीन बजे श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में महारुद्राभिषेक होगा।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और धर्म परिवर्तन के प्रयास का आरोपी हिरासत में

लखनऊ,संवाददाता। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के थाना अमीनाबाद पुलिस ने नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसलाकर ले जाने और धर्म परिवर्तन कराने के प्रयास के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस की इस तत्परता से एक बड़ी घटना होने टल गई है। दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को अमीनाबाद, लखनऊ की रहने वाली वादिनी ने अपनी लगभग 16 वर्षीय नातिन को बहला-फुसलाकर ले जाने और धर्म परिवर्तन कराने के प्रयास के संबंध में थाना अमीनाबाद में शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने नदीम पुत्र उस्मान तथा उस्मान (पिता) के खिलाफ मु0अ0सं0 89/26, धारा 137(2) बीएनएस व 3धि5(1) उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 के तहत मामला पंजीकृत किया है। इस मामले की विवेचना प्रभारी निरीक्षक, थाना अमीनाबाद द्वारा की जा रही है। वादिनी, उनके परिजनों व अन्य लोगों की मदद से नाबालिग पीड़िता (आयु लगभग 16 वर्ष) और आरोपी नदीम पुत्र उस्मान (आयु लगभग 19 वर्ष, निवासी- इकाना फण्ड मस्जिद माडल हाउस, थाना अमीनाबाद, लखनऊ को दिनांक 25.10.2026 को थाने उपस्थित कराया गया। थाने पर मौजूद पुलिस बल वरिष्ठ उपनिरीक्षक अवधेश कुमार चतुर्वेदी, कांस्टेबल मोहित सिंह यादव व महिला कांस्टेबल लवसी) की उपस्थिति में आरोपी को रात करीब 22रू30 बजे हिरासत में लिया गया। पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा नाबालिग पीड़िता की सकुशल बरामदगी के लिए नियमानुसार अग्रिम कदम उठाए जा रहे हैं। इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक अवधेश कुमार चतुर्वेदी, कांस्टेबल मोहित सिंह यादव और महिला कांस्टेबल लवसी शामिल रहे।

चार लिंक एक्सप्रेसवे बनेंगे

लखनऊ। कैबिनेट की बैठक में चार नए लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण जल्द कराने के लिए विकासकर्ता कंपनियों के चयन को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) पद्धति पर विकसित की जाने वाली इन परियोजनाओं पर लगभग 17,542.06 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

शहीदों की स्मृति में दशाश्वमेध घाट पर 27वां आकाशदीप प्रज्वलित

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। कारगिल युद्ध के अमर बलिदानियों और देश की रक्षा में प्राण न्योछावर करने वाले जांबाज जवानों की स्मृति में ऐतिहासिक दशाश्वमेध घाट पर 27वें वार्षिक आकाशदीप का भव्य प्रज्वलन किया गया। गंगा सेवा निधि की ओर से आयोजित इस समारोह के साथ ही कार्तिक मास भर मां गंगा के तट पर शहीदों के नाम दीप रोशन करने की गौरवशाली परंपरा की शुरुआत हो गई।

इस वर्ष सीआरपीएफ के शहीद शशिकांत सिंह और शहीद सुनील कुमार सहित सेना, वायु सेना, एनडीआरएफ और पुलिस बल के अमर वीरों के नाम आकाशदीप समर्पित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर अशोक तिवारी और अध्यक्ष ब्रिगेडियर उमेश ए. परब सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्र ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा (देव दीपावली) को समापन संध्या पर अमरवीरों के परिवारों को श्भगीरथ शौर्य सम्मानश से सम्मानित किया जाएगा।

वाराणसी में अब मायावती के दुर्गा स्वरूप का लगा पोस्टर

विशेष संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के बीच धर्म और राजनीति की नगरी काशी (वाराणसी) इस समय श्पोस्टर वॉर का मुख्य केंद्र बन गई है। पिछले कुछ हफ्तों में शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों पर लगे विवादित होर्डिंग्स ने आम जनता का ध्यान खींचा है।

जिला मुख्यालय पर मायावती का श्अष्टभुजाधारीश रूप का पोस्टर आज चर्चा में रहा।

ताजा विवाद वाराणसी के जिला मुख्यालय परिसर के मुख्य गेट पर लगी एक विशाल होर्डिंग को लेकर है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के स्थानीय नेता आशुतोष पाठक द्वारा लगवाए गए इस

पोस्टर में बसपा सुप्रीमो मायावती को सिंह (शेर) पर सवार एक अष्टभुजाधारी देवी के रूप में चित्रित किया गया है।

इस पोस्टर में पारंपरिक हथियारों की जगह मायावती के हाथों में भारतीय संविधान, न्याय का तराजू, शिक्षा की पुस्तकें और मीडिया का माइक जैसे सामाजिक व राजनीतिक प्रतीक दिखाए गए हैं। पोस्टर पर मायावती को उत्तर प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प भी लिखा है। धार्मिक प्रतीकों के इस राजनीतिक इस्तेमाल को लेकर विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है, जबकि बसपा समर्थक इसे एक कड़ा सामाजिक संदेश बता रहे हैं।

आलमबाग में हुआ मेगाशॉप के नए स्टोर का भव्य शुभारंभ

लखनऊ,संवाददाता। मेगाशॉप ने आलमबाग में अपने नए स्टोर का भव्य शुभारंभ किया है। यह नया स्टोर सिंगार नगर आलमबाग लखनऊ में है। 12,700 वर्ग फुट में फैला यह स्टोर ग्राहकों को आधुनिक और बेहतर शॉपिंग अनुभव प्रदान करता है। इस खास अवसर पर मेगाशॉप के सीएमडी श्री हेमंत अग्रवाल ने कहा, "आलमबाग में अपना नया स्टोर शुरू करना हमारे लिए बेहद खुशी और गर्व की बात है। हमारा हमेशा से प्रयास रहा है कि शहर के ग्राहकों को किफायती कीमतों पर लेटेस्ट फैशन और ट्रेंडी कलेक्शन के साथ एक यादगार शॉपिंग अनुभव प्रदान करें। नया स्टोर आधुनिक और आकर्षक इंटीरियर्स के साथ तैयार किया गया है, ताकि ग्राहकों को खरीदारी के साथ बेहतर और यादगार अनुभव मिल सके।

ट्रिपल मर्डर कांड में बड़ी कार्रवाई, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी निलंबित, शव घर पहुंचते ही मची चीख पुकार

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सआदतगंज क्षेत्र में कार खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में एक परिवार के तीन सदस्यों की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने संबंधित थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। लखनऊ पुलिस ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सोमवार को हुई घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने थाना प्रभारी संतोष कुमार आर्य और कश्मीरी मोहल्ला चौकी प्रभारी अजय कुमार चौरसिया को निलंबित कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, मारे गए लोगों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जिला सह-कार्यवाह शिवाजी तिवारी भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद भाजपा नेताओं और आरएसएस से जुड़े लोगों ने

पीड़ित परिवार से मुलाकात की। परिजनों ने न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

उसने बताया कि मामले के आरोपी ऋषभ शुक्ला (30) को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से कथित तौर पर वारदात में इस्तेमाल की गई पिस्तौल और चार खोखे बरामद किए गए हैं। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए अदालत में पेश किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, सआदतगंज के नौबस्ता स्थित ब्राह्मणी टोला में सोमवार को एक खाली भूखंड पर कार खड़ी करने को लेकर विवाद हुआ था।

इस दौरान हुई गोलीबारी में तिवारी परिवार के शिवाजी तिवारी, शिवेंद्र तिवारी (55) और सुयश तिवारी (30) की मौत हो गई। उसने बताया कि शिवेंद्र तिवारी की पत्नी रुचि तिवारी की शिकायत पर आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटनास्थल पर पहुंचे भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के महासचिव अभिजात मिश्रा ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पूरे थाने के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा पुलिस को आरोपी के बारे में जानकारी थी। समय रहते कार्रवाई की गई होती, तो इस घटना को टाला जा सकता था। हम पूरे थाने के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में कानूनी कार्रवाई जारी है और इलाके में कानून-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में है।

चुनाव में हेरफेर की हो रही है बड़ी साजिश : अखिलेश

लखनऊ,संवाददाता।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए चुनाव में हेरफेर की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची को आधार से जोड़ने और बायोमेट्रिक सत्यापन लागू करने की मांग की। अखिलेश यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से अधिकारियों के खिलाफ हाल में की गई कार्रवाई से उनकी पार्टी की चिंताएं दूर नहीं होंगी। उन्होंने आगामी चुनावों के मद्देनजर लगातार सतर्क रहने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, अब निर्वाचन आयोग जागा है और अपनी निष्पक्षता दिखाने के लिए अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। लेकिन हमें इससे तसल्ली नहीं मिलेगी, हमें बहुत सतर्क रहना होगा। क्या इन छोटी कार्रवाइयों के पीछे कोई बड़ी साजिश हो सकती है, जिसे हम पहचान नहीं पा रहे हैं? वरना बाद में हम यही कहते रह जाएंगे कि देखिए, क्या हो गया। उन्होंने हालिया विधान परिषद चुनावों का जिक्र करते हुए सवाल उठाया, षविधान परिषद चुनावों की मतगणना के दौरान मतपेटियों के अंदर बिना मुड़े हुए मतपत्र कैसे मिल सकते हैं? क्या किसी ने सोचा भी होगा कि मतपेटियों के अंदर खुले हुए, बिना मुड़े हुए मतपत्र मिलेंगे? ऐसा किसने किया होगा? उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन या चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की मिलीभगत के बिना ऐसा होना मुमकिन नहीं है। निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, षनिर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है और अपनी विश्वसनीयता बनाए रखना उसकी जिम्मेदारी है। लेकिन हमने जो देखा है, उससे लगता है कि उसने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि इस दौरान पात्र मतदाताओं, खासकर सपा समर्थकों को निशाना बनाया गया। 2022 के विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि 2019 में मतदान करने वाले कई लोगों के नाम 2022 की सूची से गायब थे। भाजपा पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने सवाल किया कि सत्ताधारी दल किसे घुसपैठिया मानता है? उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल के बाद अब उत्तर प्रदेश चुनाव नजदीक आते ही घुसपैठियों का मुद्दा फिर से उठाया जा रहा है। भाजपा को साफ करना चाहिए कि घुसपैठिये कौन हैं? चीन का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा कि अगर चीन भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण कर रहा है, तो क्या उन्हें घुसपैठिया नहीं कहा जाएगा? अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा मतदाता सूची संशोधन का इस्तेमाल चुनिंदा लोगों के नाम हटाने के लिए कर रही है। हम भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेंगे, लेकिन उन प्रीपेड पार्टियों और नेताओं से भी सावधान रहना होगा, जिन्हें ओटीपी (निर्देश) कहीं और से मिलते हैं। फर्जीवाड़े और असली मतदाताओं के नाम हटने से रोकने के लिए मतदाता सूची को आधार से जोड़ा जाए मतदान प्रक्रिया में बायोमेट्रिक सत्यापन लागू किया जाए।

आईआईटी बीएचयू के 15वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी बीएचयू) के 15वें दीक्षांत समारोह का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। इस वर्ष दीक्षांत समारोह के मंच पर पहली बार कुलपति की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी, जिसे लेकर संस्थान में विशेष उत्साह है। समारोह के दौरान इंजीनियरिंग के 11 विभागों, चार स्कूलों के साथ-साथ तीन विज्ञान और एक ह्यूमैनिटीज विभाग के 2000 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। संस्थान प्रशासन ने भव्य दीक्षांत समारोह को सकुशल संपन्न कराने के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन कर तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू कर दी हैं।

फन रिपब्लिक मॉल, लखनऊ में विधायक डॉ. नीरज बोरा ने किया भव्य प्रतिमा का अनावरण

लखनऊ,संवाददाता।

लखनऊ के फन रिपब्लिक मॉल परिसर में मंगलवार को श्रद्धा, आस्था और आध्यात्मिक भावनाओं से जुड़ा एक अनूठा दृश्य देखने को मिला, जब भगवान श्री हनुमान जी की 24 फीट ऊंची और लगभग 600 किलोग्राम वजनी भव्य प्रतिमा का उद्घाटन किया गया। विशेष आध्यात्मिक महत्व वाली इस प्रतिमा को 50 हजार से अधिक पत्थरों से तैयार किया गया है, प्रतिमा पर राम राम नाम अंकित होने से प्रतिमा का स्वरूप विराट प्रतीत होता है। प्रतिमा का अनावरण विधायक डॉ. नीरज बोरा द्वारा किया गया। लखनऊ में स्थापित यह भव्य प्रतिमा श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनने जा रही है'पत्थर पर 'राम-राम', इसलिए प्रतिमा अपने आप में विशेष' इस प्रतिमा की सबसे बड़ी आध्यात्मिक विशेषता यह है कि इसके निर्माण में इस्तेमाल किए गए 50 हजार से अधिक पत्थर हैं और प्रतिमा पर 'राम-राम' नाम भी अंकित किया गया है। भगवान श्री हनुमान को प्रभु श्रीराम का अनन्य भक्त माना जाता है और इसी भक्ति भाव को प्रतिमा के पत्थर में समाहित करने का प्रयास किया गया है।इस दृष्टि से यह केवल एक विशाल प्रतिमा नहीं, बल्कि राम नाम और हनुमान भक्ति के आध्यात्मिक भाव को अभिव्यक्त करने वाली एक अनूठी कलाकृति है।30 दिनों में तैयार हुई भव्य प्रतिमा प्रतिमा को तैयार करने में लगभग 30 दिनों का समय लगा। इसके निर्माण में देश के अलग-अलग राज्यों से विशेष पत्थर मंगाए गए। पत्थरों को आकार देने, काटने और उन पर बारीक नक्काशी करने में लगभग 10 दिन का समय लगा।प्रतिमा को अंतिम स्वरूप देने के लिए अलग-अलग राज्यों से आए 20 से 25 कुशल कारीगरों ने मिलकर कार्य किया। कारीगरों की मेहनत, पारंपरिक शिल्पकला और आधुनिक तकनीकी सहयोग से भगवान श्री हनुमान जी की इस भव्य प्रतिमा को आकार दिया गया।24 फीट ऊंची प्रतिमा बनी विशेष आकर्षण फन रिपब्लिक मॉल प्रबंधन के अनुसार, 24 फीट ऊंची यह प्रतिमा किसी भी संस्थान या परिसर में स्थापित एशिया की सबसे बड़ी हनुमान प्रतिमा होने का दावा रखती है। साथ ही, इससे पहले किसी एशियाई मॉल परिसर में इस तरह की इतनी विशाल हनुमान प्रतिमा स्थापित किए जाने का उदाहरण सामने नहीं आया है।प्रतिमा की इसी विशिष्टता के चलते इसे 'पं ठववा व त्मिबवतक' और प्दकपं ठववा व त्मिबवतक' में दर्ज किया गया है।फन रिपब्लिक मॉल के लिए सौभाग्य का अवसर फन रिपब्लिक मॉल प्रबंधन ने कहा कि भगवान श्री हनुमान जी के इस भव्य स्वरूप को अपने परिसर में स्थापित कर पाना उनके लिए सौभाग्य और गर्व की बात है।

संपादकीय

पराली की तपिश

यह विडंबना ही है कि जब देश की राजधानी में प्रदूषण की गंभीरता दिखायी देती है तो देश के नीति–नियंता पराली निस्तारण को लेकर बड़ी–बड़ी बातें करने लगते हैं। अभी कोई अंतिम वैज्ञानिक अध्ययन भी सामने नहीं आया है कि पंजाब या अन्य राज्यों में पराली जलाने की प्रदूषण में कितनी फीसदी भूमिका है। लेकिन एक बात तो तय है कि पराली निस्तारण के जो भी विकल्प दिए जाते हैं, वे समय के अनुरूप किसान की सुविधा व आर्थिकी के अनुरूप नहीं हैं। यदि ये उपाय कारगर होते तो पराली प्रबंधन पर खर्च किए जाने वाले हजारों करोड़ रुपयों पर एक छोटी–सी माचिस भारी न पड़ती। किसान अपने खेतों में पराली को बार–बार यदि आग के हवाले करते हैं तो उसके पीछे का कड़वा सच यह भी है कि धान के अवशेषों को वैज्ञानिक तरीके से नष्ट करने की तुलना में, पराली जला देना उसे सुविधाजनक, सस्ता तात्कालिक निस्तारण का विकल्प नजर आता है। निस्संदेह, जब तक आर्थिक रूप से लाभप्रद विकल्प किसान को नहीं दिया जाता, तब तक केवल सब्सिडी देने या दंडात्मक कार्रवाई करने के बहुत सीमित परिणाम ही सामने आएंगे। सूत्रों के अनुसार पंजाब में 15 सितंबर से 24 अक्तूबर के बीच खेतों में पराली जलाने की 574 घटनाएं दर्ज की गई हैं। यदि पिछले साल के आंकड़ों से इसकी तुलना करें तो इसी अवधि में 561 घटनाएं ही सामने आई थीं। आंकड़े बताते हैं कि इस साल 270 घटनाएं अकेले तरनतारन में और 144 घटनाएं अमृतसर के इलाके में सामने आई हैं। जो बताती हैं कि इन दोनों इलाकों में विशेष रूप से ध्यान देने और पराली जलाने से रोकने के लिये ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में अभी भी धान की फसल काटने का मौसम चल रहा है। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि इस साल पराली प्रबंधन के लिये 576 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। इसके अलावा सब्सिडी वाली लगभग 21,155 मशीनें उपलब्ध कराई गई थीं। दरअसल, सरकारी आर्थिक मदद के बावजूद किसानों को मशीनों को चलाने के खर्च, धान की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच बहुत कम समय समय मिलने और जरूरत के समय मशीनें न मिल पाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि वैज्ञानिक तरीके से पराली प्रबंधन करने में प्रति एकड़ दो हजार से लेकर ढाई हजार रुपये तक खर्च आ सकता है। तभी आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे किसानों को पराली जलाना सबसे आसान विकल्प लगता है। हालांकि, शासन व प्रशासन ने पराली जलाने से रोकने के लिये सख्ती बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार अब तक पराली जलाने के मामले में 113 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इसके अलावा जमीन के रिकॉर्ड में 205 रेड एंट्री की गई हैं। साथ ही 11.4 लाख रुपये का पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आर्थिक दंड लगाया गया है। निस्संदेह, देश में व्याप्त पर्यावरण संकट के मद्देनजर ऐसी कार्रवाई करना भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि खेतों में पराली जलाने से समाज को प्रदूषण के रूप में सेहत के लिये भारी कीमत चुकानी पड़ती है। हालांकि, केवल जुर्माना लगाने से व्यावहारिक विकल्पों की कमी पूरी नहीं हो सकती। साथ ही, साफ हवा बनाये रखने की पूरी कीमत अकेले किसानों को ही नहीं चुकानी चाहिए। दरअसल, प्राथमिकता यह रहे कि फसल अवशेषों का प्रबंधन सस्ता और सहज–सुलभ हो। इसके लिये पराली एकत्र करने और उसे ढोने के लिये जरूरी मशीनों यानी बेलर्स की कमी को भी दूर किया जाना चाहिए।

यू टर्न चौराहे पर सरपट दौड़ते ट्रंप

जेलेंस्की के यूक्रेन में बिजली गुल थी, अब वाशिंगटन में प्रतिबंध गुल। कीव के लिए अमेरिकी वादा वैसा ही है जैसे दिल्ली की हवा का 'संतोषजनक' श्रेणी में आनाकृ पोस्टर में दिखता है, फेफड़ों में नहीं। वाशिंगटन में ट्रंप साहब का यू–टर्न अब इतना नियमित है कि वहां ट्रैफिक वालों ने स्थायी 'घुमाव बिंदु' बनवा दिया है। पहले ट्रंप रूसी तेल के दुश्मन थे और अब दोस्त हो गये हैं। चुनाव सामने हैं। डीजल महंगा है, और ट्रंप के मुताबिक पुतिन साहब ने डीजल का वादा थमा दिया है। यानी जिस तेल से पुतिन की जंग चलती है, उसी से अमेरिकी वोटर की गाड़ी चलेगी। विदेश मंत्री रुबियो कहते हैं कि साठ दिन 'अध्ययन' होगा। अध्ययन का नतीजा आने से पहले क्रेमलिन के दूत ने इसे 'ऐतिहासिक क्षण' घोषित कर दिया। भारत ने राहत की सांस ली, क्योंकि सौ फीसदी टैरिफ फिलहाल टल गया। फिलहाल, यानी जब तक अगला यू–टर्न न आ जाए।

जेलेंस्की के यूक्रेन में बिजली गुल थी, अब वाशिंगटन में प्रतिबंध गुल। कीव के लिए अमेरिकी वादा वैसा ही है जैसे दिल्ली की हवा का 'संतोषजनक' श्रेणी में आनाकृ पोस्टर में दिखता है, फेफड़ों में नहीं। धोखा बाकायदा लिखित है, बस उस पर छूट की मुहर लगी है। जेलेंस्की हर मुलाकघत में उम्मीद लेकर जाते हैं और लौटते हुए 'गहरी चिंता' की रसीद लेकर आते हैं। पाकिस्तान और तालिबान की सरहद पर इस महीने कई बार गोले चले, एक बार तो चार घंटे लगातार। इस्लामाबाद का दावा है कि उसने तालिबान की चौकियां उड़ा दींय काबुल का दावा उलटा है। असलियत यह है कि जिन्हें पाकिस्तान कभी 'रणनीतिक गहराई' कहकर पालता रहा, वही आज गहराई में उतरकर हिसाब मांग रहे हैं। पाकिस्तानी प्रेस नोट रोज 'दुश्मन के कई ठिकाने तबाह' लिखता है। इतने ठिकाने तबाह हो चुके कि तालिबान के पास अब ठिकाने कम और बयान ज्यादा बचे होंगे। सीमा के दरवाजे बंद हैं, यानी व्यापार बंद, गोलाबारी चालू। जिसे दूसरों के आंगन में आग लगाने की आदत हो, उसकी पूंछ भी देर–सवेर अपने ही आंगन में सुलगती है।

दिल्ली प्रदूषण के लिए पंजाब को कोसती है, पंजाब केंद्र को, केंद्र राज्यों को और किसान सबको। ट्रंप तेल बेचने वाले को छूट देते हैं, पाकिस्तान पड़ोसी पर तोहमत जड़ता है, दिल्ली पराली पर ठीकरा फोड़ती है। हर कोई दूसरे की चौकी उड़ाने की बात करता है, अपना धुआं किसी को नहीं दिखता।

इजरायल का चुनाव : सत्ता कगार पर

असद मिर्जा

इजरायल में 27 अक्टूबर का मतदान तीन साल के युद्ध के बाद नेतृत्व पर जनमत–संग्रह है, लेकिन इसके नतीजे मतपत्र से कहीं आगे तक जाते हैं गाजा के भविष्य से लेकर ईरान, वाशिंगटन और क्षेत्रीय स्थिरता तक। बेंजामिन नेतन्याहू की राजनीतिक ताकत एक सशक्त तर्क पर टिकी है। इजरायल अस्तित्व के खतरों का सामना कर रहा है और केवल उनके पास इनसे निपटने का अनुभव और संकल्प है। वे गाजा, लेबनान और ईरान से जुड़े युद्धों को इस बात का सबूत बताते हैं कि उनकी सरकार ने इजरायल के विरोधियों को कमजोर किया है।

जिन मतदाताओं की सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा है, उनके लिए यह रिकॉर्ड 7 अक्टूबर 2023 की सुरक्षा विफलता पर गुस्से से भारी पड़ सकता है। फिर भी वही हमला उनकी सबसे गंभीर कमजोरी है। उसने उनके कार्यकाल में एक भयावह विफलता उजागर की, और उन्होंने राजकीय जांच आयोग की मांगों का विरोध किया है। उनके विरोधियों का कहना है कि जवाबदेही को अनिश्चितकाल तक टाला नहीं जा सकता, और प्रधानमंत्री के निजी तथा राजनीतिक हितों ने युद्ध संबंधी फैसलों को विकृत किया है। अंतिम सर्वेक्षण स्पष्ट जनादेश नहीं, बल्कि कड़े मुकाबले का संकेत देते हैं। गादी आइजनकोट की पार्टी यशर कई सर्वेक्षणों में लिकुड से आगे रही है, पर न विपक्ष और न नेतन्याहू का गुट सरकार बनाने के लिए जरूरी 61 सीटों के करीब दिखता है। इजरायल की आनुपातिक प्रणाली नतीजे को गठबंधन की पहेली बना देती हैरू 3.25 प्रतिशत की चुनावी सीमा के आसपास मंडराती छोटी पार्टियां तय कर सकती हैं कि किस गुट को बेहतर मौका मिलेगा। विपक्ष की नाममात्र की बढ़त भी सत्ता में बदले, यह जरूरी नहीं। नेतन्याहू का भरोसेमंद दक्षिणपंथी आधार कायम है, जबकि 7 अक्टूबर से उग्र हुए कुछ मतदाता विपक्ष की ओर जाने के बजाय और दाईं ओर जा सकते हैं। उनके अभियान का संदेश श्आत्मसमर्पण नहींय जनता के असली डर को संबोधित करता है और उन मतदाताओं को आकर्षित करता है जो मानते हैं कि सैन्य दबाव ही वह एकमात्र भाषा है जिसे इजरायल के दुश्मन समझते हैं। विपक्ष की ऊर्जा किसी एक नीतिगत घोषणापत्र से नहीं, बल्कि शिकायतों के संगम से आती है। प्रदर्शनकारियों ने 7 अक्टूबर की जांच की मांग की, युद्ध के संचालन की आलोचना की, और उन बातों का विरोध किया जिन्हें वे लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए खतरा मानते हैं, जिनमें न्यायिक शक्ति घटाने की कोशिशें शामिल हैं। अति–रूढ़िवादी पुरुषों को सैन्य भर्ती से छूट एक और विवाद हैरू कई इजरायली इस बात से नाराज हैं कि सैन्य और आर्थिक बोझ बराबर नहीं बंटता। आइजनकोट ने भर्ती पर अदालती फैसले लागू करने और जांच कराने का वादा किया है, जिससे असंतोष को सैन्य साख वाला उम्मीदवार मिला है। आइजनकोट की निजी छवि मायने रखती है। पूर्व सेना प्रमुख के रूप में उन्होंने खुद को संयमित, अपेक्षाकृत सादे विकल्प के रूप में पेश किया है, जो सुरक्षा को समझता है पर नेतन्याहू की राजनीतिक शैली से जुड़ा नहीं है। गाजा युद्ध में उनके परिवार की क्षति उन मतदाताओं के लिए उनकी विश्वसनीयता और गहरी करती है जो खतरों से अनजान कहलाए बिना नई दिशा चाहते हैं।

लेकिन बदलाव एक तय कार्यक्रम से ज्यादा व्यापक नारा है। विपक्ष ने उत्तराधिकारी पर सहमति नहीं बनाई है, और उसकी पार्टियां इस पर असहमत हैं कि अरब दलों के साथ सहयोग किया जाए या नहीं, जिनका समर्थन बहुमत के लिए निर्णायक हो सकता है। न ही जीत से फिलिस्तीनियों के मामले में तीखे बदलाव का वादा मिलता हैरू प्रमुख यहूदी विपक्षी नेता पूर्ण फिलिस्तीनी राज्य को खारिज करते हैं, और आइजनकोट ने भविष्य की व्यवस्था को इजरायली सुरक्षा नियंत्रण के तहत स्वायत्तता बताया है। यह गुट देश की मंजिल पर एकमत होने से ज्यादा नेतन्याहू के विरुद्ध एकजुट है। गाजा के फिलिस्तीनियों के लिए चुनाव अहम है, लेकिन केवल सरकार बदलने से जल्द राहत की उम्मीद कम है। नेतन्याहू ने फिलिस्तीनी राज्य को नकारा है और युद्ध को हमास को हराने के लिए जरूरी बताया है। उधर आइजनकोट ने कहा है कि हमास का शासन 18 महीनों में खत्म होना चाहिए, अमेरिकी नेतृत्व वाली योजना या सैन्य साधनों से। दोनों खेमे तरीके और राजनीतिक लहजे में अलग हैं, पर किसी ने फिलिस्तीनी संप्रभुता का स्पष्ट रास्ता नहीं दिखाया। नेतन्याहू की जीत शायद दक्षिणपंथी गठबंधन सहयोगियों का प्रभाव बढ़ाएगी, जो निरंतर सैन्य नियंत्रण और बस्तियों के विस्तार के पक्षधर हैं। इससे वार्ताधारित राजनीतिक समाधान की गुंजाइश घट सकती है और फिलिस्तीनियों में और विस्थापन तथा बेदखली का डर गहरा सकता है। विपक्ष की जीत पश्चिमी तट में बसने वालों की हिंसा पर अधिक संयम और क्षेत्रीय पहलों के प्रति अधिक कूटनीतिक रुख ला सकती है पर गाजा की पीड़ा अपने आप उस सरकार की प्राथमिकता नहीं बनेगी जिसके मतदाता मुख्यतरू सुरक्षा को, फिलिस्तीनी राज्य को नहीं, केंद्रीय प्रश्न मानते हैं। ईरान सचमुच एक रणनीतिक चिंता भी है और शक्तिशाली चुनावी मुद्दा भी। नेतन्याहू ने मतदान के आसपास ईरानी या उसके सहयोगी समूहों के संभावित हमलों की चेतावनी दी है और ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने का संकल्प लिया है। उनकी बयानबाजी तेजी से उग्र हुईरू उन्होंने तेल अवीव पर परमाणु विस्फोट की एआई–निर्मित तस्वीर पोस्ट की और यदि मतदाता उन्हें ठुकराते हैं तो श्दूसरे होलोकॉस्टय के खतरे का जिक्र किया। नेतन्याहू और आईडीएफ प्रमुख एयाल जामीर के बीच तनाव की खबरों ने चिंता बढ़ाई। इ□ारायली मीडिया ने गुमनाम सूत्रों के हवाले से बताया कि गामीर ने एक अनिर्दिष्ट सैन्य कार्रवाई के लिए, जो ईरान से टकराव भड़का सकती है, अधिक विचार–विमर्श तथा लिखित कानूनी अनुमति मांगी। रिपोर्टों से यह साबित नहीं हुआ कि हमले का आदेश दिया गया या हमला निकट हैय नेतन्याहू ने इस बयान को बकवास कहकर खारिज किया। सैन्य प्रमुख के हवाले से यह भी कहा गया कि चुनाव से पहले ईरान पर हमले की कोई परिचालन जरूरत नहीं है। अगले दो दिनों में इजारायली हमले की संभावना को रिपोर्टों के आधार पर जिम्मेदारी से आंका नहीं जा सकता। समय स्पष्ट रूप से संवेदनशील हैरू हमला जवाबी कार्रवाई भड़का सकता है, मतदान बाधित कर सकता है या मौजूदा नेता के सुरक्षा कथानक को मजबूत कर सकता है, जबकि सोचा–समझा ठहराव तनाव का जोखिम घटा सकता है। जोखिम वास्तविक हैय निश्चितता नहीं। अमेरिकी रुख असामान्य रूप से दृश्यमान है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलकर नेतन्याहू का समर्थन किया और इजरायलियों से उन्हें वोट देने का आग्रह किया, जो निकटता दिखाता है पर चुनाव को अमेरिकी राजनीति से उलझा दिखाने का जोखिम भी रखता है साथ ही, व्हाइट हाउस अधिकारियों के नेतन्याहू की परमाणु–विस्फोट वाली पोस्ट से चिंतित होने की खबरें बताती हैं कि वाशिंगटन को केवल हर चुनावी चाल से तालमेल नहीं, बल्कि तनाव और गलतफहमी की भी चिंता है। अमेरिका शायद परिचित नेता के साथ निरंतरता पसंद करे, पर उसके पास एक और क्षेत्रीय संघर्ष में घिरने से बचने का कारण भी है।

नेतन्याहू की जीत शायद ईरान के प्रति टकराव वाला रुख और फिलिस्तीनी राज्य पर मौजूदा कठोर रेखा कायम रखेगी। विपक्ष के नेतृत्व वाली सरकार लहजा बदलकर और बसने वालों की हिंसा पर अधिक दृढ़ता से कार्रवाई कर वाशिंगटन, यूरोपीय देशों और अरब पड़ोसियों से इजरायल के संबंध सुधार सकती है पर विश्लेषक विदेश नीति में तेज पलटाव की संभावना सीमित देखते हैं, इजरायली आम सहमति ईरान पर सख्त और संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य की विरोधी बनी हुई है। व्यापक खतरा किसी एक चुनावी रात के फैसले से ज्यादा एक शृंखला–प्रतिक्रिया हैरू नाजुक गठबंधन, विवादित वैधता, ईरान संकट और गाजा में जारी तबाही।

भागवत का ज्ञानेश पुराण!

राजेंद्र शर्मा

क्या संघ–भाजपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए, देश की जनता के खिलाफ, भारतीय जनतंत्र के खिलाफ और संविधान के खिलाफ बाकायदा युद्घ छेड़ने का फैसला कर लिया है। ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग की जनतंत्र को ही ध्वस्त करने वाली करतूतों के खिलाफ राजधानी दिल्ली समेत देश भर में पिछले करीब महीने भर में सामने आए जनता के विक्षोभ और एक ओर राजनीतिक विपक्ष तो दूसरी ओर युवाओं, मजदूरों, किसानों, मध्यवर्गीय पेशेवरों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्घिजीवियों आदि के लगातार फैलते आंदोलन के सामने, मोदी–शाह की सरकार के साथ–साथ संघ–भाजपा जोड़ी के शीर्ष ने जो टकराव की मुद्रा अपनायी है, उससे उसके युद्घ के लिए सन्नद्घ होने का ही पता चलता है। यह संयोग ही नहीं है कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने, विजयदशमी के अपने परंपरागत संबोधन में एक तरह से इस युद्घ ऐलान किया है।

इस ऐलान को यह तथ्य और भी अनिष्टङ्कर अर्थ दे रहा था कि आरएसएस, विजयदशमी को अपना स्थापना दिवस मानता है और इस अवसर पर एक ओर अगर संघ प्रमुख का श्मार्गदर्शकश संबोधन होता है, तो दूसरी ओर शस्त्र पूजा का आयोजन किया जाता है। इस बार का विजयदशमी आयोजन इसलिए और भी खास था कि इसके साथ, देश–विदेश में हुए आरएसएस के शताब्दी वर्ष आयोजनों का समापन हो रहा था। इस तरह, संघ के एक सौ एक वें वर्ष में प्रवेश के मौके को संघ प्रमुख ने इस युद्घ की घोषणा करने के लिए चुना है, इससे इस घोषणा की मारकता और बढ़ जाती है। संघ प्रमुख ने वोट चोरी से लेकर चुनाव की ही चोरी तक के असंख्य रहस्योद्‌ङ्घघाटनों की ओर एक नजर तक डालना गवारा नहीं किया, जो गोदी मीडिया के जरिए मुख्यधारा के लगभग समूचे मीडिया की लंबी चुप्पी के बावजूद, देश में ही नहीं विदेश तक, भारतीय जनतंत्र पर वास्तविक चिंताएं पैदा कर रहे हैं।

संघ प्रमुख ने यह सुनने के बजाय अपने कान बंद ही कर लिए कि सड़कों पर उतर रहे प्रदर्शनकारी, वोट के अधिकार को बचाने की मांग कर रहे थे, जोकि जनतंत्र की बुनियादी इकाई है, वह ईंट है जिससे जनतंत्र की इमारत खड़ी होती है और संघ प्रमुख की जुबान से इसकी सराहना का एक शब्द तक नहीं निकला कि तिरंगा ओढ़ कर सबसे बढ़कर युवा पीढ़ी ही आज जनतंत्र को बचाने की चिंता से संचालित होकर, सड़कों पर उतर रही है। जंतर मंतर–1 के फौरन बाद, भागवत ने संघ–भाजपा के राजनीतिक नुकसान को कम करने की सचेत कोशिश में, जेन जी को पटाने के लिए जो कुछ अच्छी–अच्छी बातें कही थीं, उनसे भ्रमित हुए सहज–विश्वासी लोगों को जरूर, जंतर मंतर–1 और जंतर मंतर–2 के बीच, छः महीने से भी कम में भागवत की इस पल्टी पर हैरानी होगी। लेकिन, वास्तव में इसमें हैरानी की कोई बात है नहीं। छरू महीने पहले का भागवत का श्जेन जी प्रेम्य भी, देश की सत्ता पर संघ–भाजपा की पकड़ को मजबूती देने के लिए था और अब उसी सत्ता के दमनचक्र के लिए तर्क जुटाने के लिए भागवत जेन जी के हरकत में आने को श्भारतविरोधी ताकतों के षड्यंत्रश का हिस्सा बताने से नहीं हिचकते हैं। बिना नाम लिए किंतु स्पष्टङ्कतः चुनाव की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए जारी वर्तमान आंदोलन को देश के लिए ही खतरा बताते हुए संघ प्रमुख कहते हैं, परंतु जब...आंदोलन राजनीति का साधन बन जाता है, किसी व्यक्ति, समूह या विचार के प्रति विरोधी शत्रुभाव लेकर चलता है, तब इसका लाभ भारत को दबाना चाहने वाली शक्तियां लेती हैं। इससे पहले, संघ प्रमुख आंदोलनों के लिए इसका उपदेश तो करते ही हैं कि, परंतु आंदोलन समाधान देने के लिए होने चाहिएश और यह भी कि भावनाएं तीव्र होने पर भी हमारे संविधान कानून की मर्यादा में, बोलचाल चलन के भद्र व्यवहार के संकेतों की मर्यादा में हमारी कृतियां हों, यह ध्यान रखना चाहिए। वोट, सस्ती लोकप्रियता अथवा राजनीतिक लाभ का लोभ, हमारे विवेक और सद्‌ङ्घभावना पर हावी न हो, यह चिंता करनी ही पड़ेगी। इससे आगे जाकर वह एक ओर तो वर्तमान संघ–भाजपा शासन को देश के सामने मौजूद समस्याओं के लिए जवाबदेही से बरी करते हुए कहते हैं कि, समाज की सब समस्याएं शासन ही सुलझा सकता है...ऐसा भी अनुभव नहीं है।श दूसरी ओर, आंदोलन मात्र की सार्थकता को ही नकारते हुए वह दावा करते हैं, आंदोलनों से ही समस्याएं सुलझती हैं, ऐसा भी अनुभव नहीं है।श भागवत क्या कहना चाहते हैंकृशासन समस्याएं सुलझाएगा नहीं, आंदोलन से समस्याएं सुलझेंगी नहींय लोगों को जो है उसे नियति मानकर हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहना चाहिए। बेशक, संघ–भाजपा की सत्ता को बचाने के लिए जनता के लिए भागवत की यही सलाह है।

लेकिन, भागवत संघ–भाजपा के राज के संदर्भ में देशवासियों को निष्क्रियता का संदेश देने तक ही नहीं रहते हैं। इससे आगे बढ़कर वह मौजूदा शासन के पक्ष में युद्घ का आह्वङ्कान भी करते हैं। और ऐसा करते हैं, मौजूदा निजाम के तमाम विरोधों को एक कल्पित श्भारत–विरोधी षड्यंत्र का हिस्सा बताने के जरिए।श पिछले दशकों में भारत ने स्वयं की शक्ति तथा सुनीति के कारण विश्व में धीरे–धीरे अपना स्थान बनाया है। भारत के समाज का पुरुषार्थ, सुदृढ़ नीतियां, नेतृत्व, देशाभिमान तथा विश्व के प्रति अपने दायित्व के बोध की जागृति के कारण सभी क्षेत्रों में यशस्वी हो रहा है। भारत की इस प्रकार की प्रगति के कारण विश्व के राष्ट्रों में अराजकता खड़ी कर अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए सहायक हो सकने वाले अपने पिट्ठूओं को वहां स्थापित करने का षड्यंत्र करने वाली ताकतों के खेल बंद होंगे। इस वस्तुस्थिति को ये आसुरी ताकतें जानती हैं। इसलिए, भारत ही उनका निर्णायक व सबसे बलवान प्रतिस्पर्द्घी और अंतिम एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण लक्ष्य है। भारत, हिंदू व संघ को किस प्रकार तोड़ सकते (डिसमेंटलिंग) हैं, इसका विचार कर, योजना बनाकर वे कार्य करती हैं। उन्हीं की प्रकृति के कुछ लोग इसमें उन्हें सहायता के लिए मिल जाते हैं। क्षुद्र सत्ता स्वार्थ और विवेकहीनता के कारण कुछ महत्वाकांक्षी नेता लोग भी शामिल होते हैं। लेकिन, संघ प्रमुख को भी इसका अंदाजा है कि यशस्वी भारतय के खिलाफ आसुरी ताकतों के हमले और भारत, हिंदू व संघ को डिसमेंटल करने की उनकी साजिशों की उनकी गप्प को शायद लोग गंभीरता से नहीं लेंगे।

शायद संघ के प्रभाव क्षेत्र में आने वाले समझदार लोग तक उस पर विश्वास नहीं करें। इसलिए, वह फौरन इस खतरे को पश्चिम यूरोपीय देशों में हाल में देखने को मिले जन–असंतोष के उस उभार से जोड़ देते हैं, जिसे वर्तमान आंदोलन से मोदीशाही के बचाव के लिए, संघ परिवारी प्रचारतंत्र ने और उसके सहयोगी के तौर पर गोदी मीडिया ने, इसके दौरान हिंसा और आगजनी की यहां–वहां हुई कुछेक घटनाओं में ही घटाने की कोशिश की है। बेशक, संघ प्रमुख से फ्रांस, अल्बानिया आदि और अब इटली में भी उठी जन असंतोष की लहर के आर्थिक कारणों, खासतौर पर नव–उदारवादी पूंजीवादी व्यवस्था के गहराते संकट के प्रभावों को पहचानने की तो उम्मीद नहीं की जाती है।

लेकिन, इसे बहाना बनाकर वह जो मानवता के लिए वैश्विक खतरे का आख्यान रचते हैं, उससे कुछ हैरानी तो होती ही है। समझदार लोग भी विचलित हों, ऐसा वातावरण है अथवा खड़ा किया जा रहा है। भारत सहित सारे विश्व में जो जो भद्रता, मांगल्य, सांस्कृति व मानवीय संस्कार है, वह सारा नष्टङ्क–भ्रष्टङ्क, उद्‌ङ्घधस्त करने की आसुरी प्रतिज्ञा लेकर पश्चिम से एक आंधी चली है। विश्व भर के तथाकथित प्रगत देश भी उससे त्रस्त, असहाय हैं।

जाहिर है कि यह जेन जी हरकत में आने के बाद से संघ–भाजपा के प्रचार तंत्र द्वारा जिस तरह श्रीलंका, नेपाल तथा बांग्लादेश के घटनाक्रम के भारत में दुहराए जाने का डर दिखाया जाता रहा है और पिछले दिनों श्रिजीम चेंजय के खतरे के बहाने जिसका शोर मचाया जाता रहा है, पश्चिम के संदर्भ से उसी की अपडेटिंग है। जैसी कि उम्मीद की जाती थी, भागवत के विदेशी षडयंत्र के खतरे के प्रचार का अनुमोदन करने के बाद से, भाजपा की ओर से सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमित शाह ने, विपक्ष पर हमले की कमान संभाल ली है।

आतिशबाजी, कानून और पर्यावरण का संतुलन

ग्रीन क्रैकर्स के नाम पर बाजार में बिक रहे फर्जी पटाखों पर रोक लगाने के लिए क्यूआर कोड–आधारित सत्यापन प्रणाली को अनिवार्य किया जाना चाहिए। द्वितीय, राज्य सरकारों को सामुदायिक आतिशबाजी को बढ़ावा देना चाहिए। तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बदलते जनसांख्यिकीय स्वरूप और वायु गुणवत्ता सूचकांक के खतरनाक स्तर तक पहुंचने के कारण पटाखों की गूंज खुशियों के बजाय स्वास्थ्य संबंधी संकट और पर्यावरणीय समस्याओं को बढ़ाने लगी है। उत्सव का यह उल्लास जब हवा में विषैले कणों का जहर घोलने लगे और रात के सन्नाटे में शोर का स्तर मानक सीमा से परे चला जाए, तब मौलिक अधिकारों, सांस्कृतिक परंपराओं और राज्य के संवैधानिक दायित्वों के बीच एक गंभीर कानूनी व नैतिक द्वंद्व उत्पन्न होता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को गरिमापूर्ण जीवन जीने और स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। वर्ष 1991 के ऐतिहासिक वाद 'सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य' में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि जीने के अधिकार में प्रदूषण–मुक्त जल और वायु का अधिकार भी शामिल है।

वहीं दूसरी ओर, संविधान का अनुच्छेद 25 नागरिकों को अंतःकरण की स्वतंत्रता और धर्म को मानने व आचरण करने की स्वतंत्रता देता है। न्यायालयों ने प्रतिपादित किया है कि कोई भी धार्मिक परंपरा जनस्वास्थ्य और जनसामान्य के जीवन को संकट में नहीं डाल सकती।

पर्यावरण न्यायशास्त्र और वैधानिक तंत्र के विकास में 'पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986' की धाराओं 3 व 5 और 'वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981' की धारा 19 के तहत केंद्रीय व राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को पटाखों के अत्यधिक उत्सर्जन पर आपातकालीन निर्देश जारी करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। इसके अतिरिक्त, नवप्रवर्तित 'भारतीय न्याय संहिता, 2023' की धाराएं वायुमंडल को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाने वाले कृत्यों के विरुद्ध दंडात्मक प्रावधान प्रदान करती हैं। वर्ष 2005 में 'इन री रू नॉइज पोल्यूशन' मामले में उच्चतम न्यायालय ने रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक भारी आवाज वाले पटाखों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने का ऐतिहासिक आदेश दिया था। इसके पश्चात 'अर्जुन गोपाल बनाम भारत संघ (2018)' के ऐतिहासिक फैसले में उच्चतम न्यायालय ने पारंपरिक पटाखों के निर्माण और बिक्री पर देशव्यापी अंकुश लगाते हुए केवल 'ग्रीन क्रैकर्स' यानी हरित पटाखों के उपयोग की अनुमति दी। इस फैसले में अदालत ने अनुच्छेद 19(1)(जी) के तहत व्यापार करने के अधिकार और अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार के बीच संवैधानिक संतुलन बनाते हुए कहा कि पटाखों का निर्माण करने का व्यावसायिक अधिकार जनसामान्य के जीने और सांस लेने के अधिकार के सामने गौण है। जब भी वाणिज्यिक हित और जनस्वास्थ्य का टकराव होगा, तब जनस्वास्थ्य को ही सर्वोच्च वरीयता दी जाएगी। एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (2020)' के महत्वपूर्ण मामले में एनजीटी ने आदेश दिया कि जिन शहरों या कस्बों में राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खराब' दर्ज किया जाता है, वहां पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। केवल उन्हीं क्षेत्रों में, जहां एक्यूआई 'मध्यम' या उससे बेहतर स्थिति में है, सीमित समय के लिए सिर्फ ग्रीन क्रैकर्स की अनुमति दी जा सकती है। ग्रीन क्रैकर्स पारंपरिक पटाखों की तुलना में 30 से 35 प्रतिशत तक कम कणिकीय पदार्थ उत्सर्जित करते हैं। पटाखों का एक गंभीर दुष्प्रभाव 'क्रॉस–पॉल्यूशन' भी है। पटाखों के फटने के बाद रासायनिक अवशेष और विषैली धातुएं हमारे भोजन और पानी की शृंखला में प्रवेश कर जाती हैं। जब इस बारूदी कचरे को खुले में जलाया या फेंका जाता है,।

कल्याणकारी शिविर में 40 लाभार्थियों को मिले प्रमाण पत्र, 14 शिकायतें निस्तारित

देवरिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को भाटपाररानी विकासखंड सभागार में कल्याणकारी शिविर आयोजित किया गया। इसमें पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की शादी अनुदान योजना के 10 लाभार्थियों और छात्रवृत्ति योजना के 30 छात्र–छात्राओं को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। शिविर में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के पांच, समाज कल्याण विभाग के पांच और जिला प्रोबेशन विभाग के चार लाभार्थियों ने समस्याएं रखीं। अधिकारियों ने सभी 14 मामलों का मौके पर निस्तारण किया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष विशम्भर पाण्डेय और भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष शम्स परवेज मुख्य अतिथि रहे। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अविनाश मणि त्रिपाठी ने उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथियों ने पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से जरूरतमंदों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने की अपील की। अंत में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने आभार जताया।

छह ग्राम पंचायतों में नियमित ग्राम सभा बैठक की मांग

बहराइच,संवाददाता।

मिहींपुरवा विकास खंड की चहलवा समेत छह ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा की नियमित बैठकें कराने की मांग उठी है। ग्रामीणों और ग्राम सभा सदस्यों के एक दल ने जिला पंचायती राज अधिकारी, बहराइच को एक मांग पत्र सौंपा। इस मांग पत्र में उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1947 की धारा 11 का हवाला है। इसमें कहा गया कि बैठकें नियमानुसार हों और ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने मांग की कि सामान्य बैठकों की सूचना कम से कम 15 दिन पहले सार्वजनिक माध्यमों से दी जाए, जिसमें तारीख, समय और जगह की जानकारी हो। उन्होंने ग्राम पंचायत की आय–व्यय, सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों पर बैठक में चर्चा कराने की मांग की। साथ ही, उपस्थित सदस्यों का रजिस्टर बनाने और सुझावों व फैसलों को कार्यवाही पुस्तिका में दर्ज करने पर जोर दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने जिला पंचायती राज अधिकारी से बैठकों की स्थिति जांच कर जरूरी निर्देश जारी करने और कार्रवाई की जानकारी लिखित में देने का अनुरोध किया। उनका कहना है कि बैठकें सिर्फ खानापूर्ति न हों, गांव की समस्याओं को मंच मिले और विकास कार्यों में पारदर्शिता व जवाबदेही तय हो।

पशु आरोग्य मेला, 388 पशुओं का निःशुल्क उपचार

देवरिया। विकासखंड भलुअनी के ग्राम जमुना छापर में राजकीय पशु चिकित्सालय भलुअनी के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा मंडल उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार मौर्य और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रमोद तिवारी ने गौ–पूजन कर मेले का शुभारंभ किया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रौनक ने पशुपालकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान और पशु बीमा के लाभ बताए। मेले में कुल 388 पशुओं का निःशुल्क उपचार किया गया तथा पशुपालकों को आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। इस अवसर पर पशुधन प्रसार अधिकारी जितेंद्र कुमार, फार्मासिस्ट विजय कुमार सिंह सहित स्टाफ मौजूद रहा।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, कार्रवाई न होने पर पीड़ित परिवार ने दी आत्मदाह की चेतावनी

नोएडा,संवाददाता। गौतमबुद्ध नगर के लखनावली गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। सिंचाई विभाग और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की जमीन पर बहुमंजिला इमारत व मार्केट बनाने का आरोप है। कार्रवाई न होने पर पीड़ित परिवार ने एक हफ्ते में एक्शन न होने पर आत्मदाह की चेतावनी दी है। लखनावली निवासी दिनेश ने विभाग के अधिकारियों को शिकायत दी है। इसमें खसरा संख्या 186 और पुराने खसरा संख्या 327 की 317.71 वर्गमीटर जमीन सिंचाई परियोजना के लिए ली गई थी। आरोप है कि भू–माफियाओं ने इस सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की खसरा संख्या 366, 367, 368, 369, 107, 109, 364, 493 और 151/870 पर भी अवैध निर्माण जारी है। शिकायत में श्यामवीर, महेश और रवि समेत कुछ लोग नामजद हैं। दिनेश का दावा है कि ये लोग अधिकारियों से मिलकर अवैध निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने तुरंत जांच, निर्माण रोकने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित दिनेश का कहना है कि वह और उसका परिवार पिछले कई वर्षों से सिंचाई विभाग और प्राधिकरण के चक्कर काट रहे हैं और लगातार अधिकारियों को लिखित शिकायतें दे रहे हैं, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

खाद संकट पर डीएम सख्त

बांदा,संवाददाता। जसपुरा ब्लॉक में खाद संकट को लेकर जिलाधिकारी (डीएम) सख्त हो गए हैं। उन्होंने किसानों की परेशानी को देखते हुए एआर को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए हैं। साधन सहकारी समिति जसपुरा मंडी में किसानों को खाद के लिए काफी दिक्कतें आ रही थीं। समिति के सचिव अजय शुक्ला के लखनऊ में धरने पर बैठने से स्थानीय स्तर पर खाद वितरण पर असर पड़ा। किसानों की इस समस्या को समाजसेवी राकेश बाजपेयी ने डीएम बांदा तक पहुंचाया। उन्होंने जसपुरा में खाद की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की। मंगलवार को इस संबंध में जिलाधिकारी को पत्र भी भेजा गया।

पीलीभीत में धान खरीद को लेकर मंडी प्रशासन की अनदेखी के चलते किसानो का हो रहा आर्थिक शोषण

पीलीभीत,संवाददाता। पीलीभीत मण्ढी समिति में धान क्रय केंद्रो पर किसान अपना धान लेकर आ रहा है जिसे धान क्रय केंद्र के लोग धान में नमी और अन्य खराबी बता कर उसको सरकारी धान खरीद मूल्य के स्थान पर ना खरीद कर और भुगतान में देरी के चलते उसका आर्थिक रूप से शोषण कर रहे है। बही राइस मिलर्स के लोग या एजेंट मण्डी समिति में मण्डी गेट से लेकर या मण्डी धान क्रय केंद्रो के आसपास घूम रहे है और धान लेकर आने वाली टैक्टर ट्राली या अन्य बाहन उसके पास आकर उससे कहते है कि तुम अपना धान फला राइस मिल पर वेचो तो तुम्हे नकद दाम रूपए मिल जायेगें। फिर भी किसान अपनी फसल धान को लेकर क्रय केंद्रो पर जाता है जहा पर उसके धान में नमी और कमी बताकर उसको सरकारी धान क्रय मूल्य के स्थान पर अन्य मूल्य पर धान खरीदने को लेकर उससे कहते है लेकिन पेमेंट में देरी के चलते उसके पास सिर्फ एक ही रास्ता बचता है कि इससे अच्छा तो वो अपना धान राइस मिल पर ही वेच दे जहां पर उसको उसके धान का मूल्य नकद मिल जाता है इसी बजह से राइस मिलर्स उसकी फसल को औने पौने दाम पर खरीद कर उसका शोषण कर रहे है यह सब इस लिए भी चल रहा है कि किसानो का शोषण नही हो यह देखने वाला कोई नही है।

मिट्टी लगाते समय कच्ची दीवार ढहने से महिला की मौत

बांदा,संवाददाता। जनपद के जसपुरा थाना क्षेत्र की अमारा ग्राम पंचायत में मंगलवार को सुबह 10 बजे कच्ची दीवार की मरम्मत के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। घर की दीवार पर मिट्टी लगा रही 55 साल की महिला अचानक दीवार ढहने से मलबे में दब गई। परिजनों ने आनन–फानन में मलबा हटाकर महिला को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद परिवार में चीख–पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार अमारा गांव की रहने वाली 55 साल की पप्पी पत्नी भीखम वर्मा मंगलवार को अपने घर की कच्ची दीवार की मरम्मत कर रही थीं। वह दीवार पर मिट्टी लगा रही थीं। इसी दौरान अचानक दीवार भरभराकर उनके ऊपर गिर गई।

एनसीसी शिविर में कैडेटों ने सीखा फायरिंग और युद्ध कौशल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर, देवरिया। 52 यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से श्री बब्बन सिंह इंटर कॉलेज, रतसिया कोठी में आयोजित 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन कैडेटों ने .22 राइफल से फायरिंग का अभ्यास किया। साथ ही मैप रीडिंग, वेपन ट्रेनिंग और फील्ड क्राफ्ट का प्रशिक्षण लिया।

कर्नल कुलदीप राज की देखरेख में आयोजित शिविर में एसबीआई भाटपाररानी के शाखा प्रमुख संदीप प्रसाद ने बैंकिंग, म्यूचुअल फंड, एसआईपी और साइबर फ्रॉड से बचाव की जानकारी दी। वहीं, कैप्टन सरफराज ने व्यक्तित्व विकास के तहत ग्रुप डिस्कशन पर व्याख्यान दिया। शाम को कैडेटों ने फुटबॉल और वॉलीबॉल खेला।

शिविर में कैप्टन राम अवतार, लेफ्टिनेंट रत्नेश, सेकेंड ऑफिसर दयानंद मिश्रा और शैलेश सिंह भी प्रशिक्षण में योगदान दे रहे हैं। बटालियन जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए कार्यरत है।

दिल्ली रामलीला मैदान में गरजेगी कांग्रेस बलिया से 500 लोग होंगे शामिल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली 'वोट चोर, गद्दी छोड़' कांग्रेस रैली में बलिया से 500 लोगों को शामिल होगें। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में पूर्व विधायक अमिताभ अनिल दुबे ने कार्यकर्ताओं से रैली में शामिल होने की अपील की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सवाल उठाते हुए लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए आवाज बुलंद करने की बात कही। पूर्व विधायक अमिताभ अनिल दुबे ने कहा कि देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस का आरोप है कि इस प्रक्रिया के नाम पर विपक्षी मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान के अधिकार की रक्षा करना लोकतंत्र के लिए जरूरी है। लोकतंत्र और संविधान देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और इनकी रक्षा के लिए सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठा रहे हैं। दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली के माध्यम से पार्टी मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को उठाएगी।

बलिया से 500 लोगों को ले जाने का लक्ष्य जिलाध्यक्ष उमाशंकर पाठक ने कहा कि बलिया से 500 लोगों को दिल्ली ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में रैली में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रैली को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री के बयानों पर भी दी प्रतिक्रिया प्रेसवार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष उमाशंकर पाठक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पंडित जवाहरलाल नेहरू और सोनिया गांधी को लेकर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया से जुड़ी राजनीतिक बहस का भी जिक्र किया। इस दौरान सच्चिदानंद तिवारी, सत्य प्रकाश उपाध्याय मुन्ना, संतोष चौबे, मो. अबुल फैज, विजेंद्र पांडेय मुखिया, अरुण भारती, फुल बदन तिवारी, अरुण श्रीवास्तव, मणिनाथ तिवारी और संग्राम तिवारी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जया किशोरी के कार्यक्रम के लिए 28 अक्टूबर से शहर में बदलेगा रूट, वाहनों की आवाजाही बंद

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। बलिया के हनुमानगंज ब्लॉक के छोड़हर गांव में 28 अक्टूबर से बलिया सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महोत्सव शुरू हो रहा है। इसमें कथावाचिका जया किशोरी का कार्यक्रम है। भीड़ को देखते हुए पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट किया है।

पुलिस के अनुसार, 28 अक्टूबर से 4 नवंबर तक राम जानकी मंदिर में जया किशोरी की श्रीमद् भागवत कथा होगी। इसमें 35 से 40 हजार लोगों के आने की उम्मीद है। कार्यक्रम को सही से कराने के लिए ट्रैफिक व्यवस्था बदली गई है।

28 अक्टूबर से 4 नवंबर तक रोज सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तक भारी वाहन, बस और चार पहिया वाहनों का रास्ता बदला रहेगा। बांसडीह, बैरिया, रेवती और सहतवार की तरफ से बलिया आने वाले बड़े वाहन बांसडीह कचहरी तिराहा से सुखपुरा की ओर जाएंगे। बलिया शहर से बांसडीह जाने वाले वाहन कुंवर सिंह चौराहा और एनसीसी तिराहा से सुखपुरा की तरफ डायवर्ट होंगे। हनुमानगंज से शंकरपुर जाने वाले वाहनों को भी रोका जाएगा और सुखपुरा या बलिया की ओर भेजा जाएगा। कार्यक्रम स्थल के पास नवानगर, प्रशासनिक पार्किंग, वीवीआईपी प्रवेश द्वार, भरटोलिया हनुमानगंज रोड और हनुमानगंज से शंकरपुर मार्ग पर बैरियर लगाए जाएंगे।

यहां सुबह 9 बजे से कार्यक्रम खत्म होने तक चार, तीन और दो पहिया वाहनों का आना–जाना बंद रहेगा। एम्बुलेंस, फायर टेंडर और खास अनुमति वाले वाहनों को छूट मिलेगी।

सरयू तट पर चमरिया माई मंदिर में भक्तों की भीड़

बस्ती,संवाददाता। जिले के दुबौलिया ब्लॉक के ऊजी मुस्तकम गांव में सरयू नदी के किनारे चमरिया माई का मंदिर है। यहां हर मंगलवार को सुबह से ही भक्तों की भीड़ लग जाती है। दोपहर 3 बजे तक हजारों लोग माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। बस्ती के अलावा सिद्धार्थनगर और दूसरे जिलों से भी बड़ी संख्या में भक्त यहां आते हैं। लोगों की चमरिया माई में गहरी आस्था है। भक्त अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और मन्नत पूरी होने पर दोबारा दर्शन करने जरूर आते हैं। सिद्धार्थनगर से आए त्रिवेदी ने बताया कि उनकी बेटी अक्सर बीमार रहती थी। उन्होंने माता रानी से बेटी के ठीक होने की मन्नत मांगी थी। बेटी की तबीयत ठीक होने के बाद उनकी आस्था और बढ़ गई।

पति के दीर्घायु ,दाम्पत्य सुख का पवित्र पर्व है करवा चौथ : आचार्य अजय शुक्ल

- करवा चौथ व्रत 29 को मनाया जाएगा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सलेमपुर(देवरिया)। करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए आस्था, श्रद्धा और दांपत्य प्रेम का पर्व माना जाता है। इस दिन महिलाएं पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की सुख–समृद्धि की कामना से निर्जला व्रत रखती हैं। आचार्य अजय शुक्ल ने बताया कि करवा चौथ व्रत 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा। चतुर्थी तिथि की शुरूआत सुबह 1 बजकर 6 मिनट पर होगा तथा समापन रात्रि 10 बजकर 9 मिनट पर होगा।चंद्रोदय रात्रि 8 बजकर 15 मिनट से 8 बजकर 33 मिनट पर जगह के अनुसार होगा। व्रत रखने वाली महिलाएं प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें और भगवान गणेश, माता पार्वती, भगवान शिव तथा करवा माता का स्मरण कर व्रत का संकल्प लें। परंपरा के अनुसार सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण करने के बाद व्रत शुरू किया जाता है। शाम को पूजा स्थल की साफ–सफाई कर चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाकर भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी की प्रतिमा अथवा चित्र स्थापित किया जाता है। पूजा में रोली, अक्षत, पुष्प, धूप–दीप, फल, मिठाई, सुहाग सामग्री और जल से भरा करवा रखा जाता है। सबसे पहले भगवान गणेश का पूजन कर विघ्नों के निवारण की प्रार्थना करनी चाहिए। इसके बाद भगवान शिव, माता पार्वती और करवा माता का पूजन कर अखंड सौभाग्य एवं पति की दीर्घायु की कामना की जाती है। पूजा के बाद करवा चौथ की कथा का श्रवण किया जाता है।

किसान, कांग्रेस की इंदिरा गांधी के शहादत दिवस से पहले पार्क तैयार कराने की मांग

बांदा,संवाददाता। जिले में खाद की किल्लत, इंदिरा पार्क की अधूरी व्यवस्था और गांवों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार दोपहर 12 बजे जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने किसानों की परेशानी दूर करने, पार्क का काम पूरा कराने और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य व बिजली से जुड़ी समस्याओं का समाधान कराने की मांग की। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने ज्ञापन में कहा कि जिलेभर में खाद की समस्या बनी हुई है। किसानों को खाद लेने के लिए सुबह से शाम तक कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। इसके बावजूद कई किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। कांग्रेस ने प्रशासन से खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि 31 अक्टूबर को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का शहादत दिवस है, लेकिन इंदिरा पार्क का काम अब तक पूरा नहीं हुआ है। पार्क में सफाई भी नहीं कराई गई है। कांग्रेस ने पार्क के बगल में कूड़ाघर की जगह पैरामाउंट वालों को आवंटित किए जाने के मामले की जांच कराने की मांग की। साथ ही शहादत दिवस से पहले पार्क का काम पूरा कराकर उसे खोलने की अपील की। कांग्रेस ने बड़ोखर खुर्द ब्लॉक की ग्राम पंचायत गन्छा के कैता पुरवा और परहन पुरवा में घर–घर जल योजना की स्थिति पर सवाल उठाए।

ज्ञापन के अनुसार, कैता पुरवा में पानी की टंकी बन चुकी है और पाइपलाइन भी बिछाई गई है, लेकिन घरों तक पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। इससे ग्रामीणों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कैता पुरवा में स्कूल नहीं होने का मुद्दा भी उठाया गया। कांग्रेस के मुताबिक, गांव के बच्चों को पढ़ने के लिए बजरंग पुरवा जाना पड़ता है।

अवसाद में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

बस्ती,संवाददाता। कोतवाली थाना के पंचपेडिया संतनगर निवासी 26 वर्षीय अमन कुमार का शव मंगलवार सुबह कमरे में पंखे से लटका मिला। परिजनों के मुताबिक, अमन ने स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली थी, लेकिन नौकरी नहीं मिलने के कारण वह अवसाद में रहता था। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है।

आत्महत्या के पीछे की परिस्थितियों की पुष्टि पुलिस की जांच के बाद ही हो सकेगी। मृतक के पिता संजय कुमार गौंड ने बताया कि अमन सोमवार रात अपने कमरे में सोने चला गया था। मंगलवार सुबह काफी देर तक वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो परिजनों ने उसे आवाज लगाई। कई बार पुकारने के बाद भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। सुबह करीब आठ बजे तक दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। परिजनों ने कमरे का दरवाजा तोड़ा तो अंदर अमन का शव पंखे से लटका मिला। यह दृश्य देखकर परिवार के लोग स्तब्ध रह गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोग भी घर पर जुट गए। परिजनों के अनुसार, अमन ग्रेजुएट था और नौकरी की तलाश कर रहा था। नौकरी नहीं मिलने के कारण वह अवसाद में रहता था। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह और परिस्थितियों का पता पुलिस की जांच के बाद ही चल सकेगा। अमन अपने पिता का बड़ा बेटा था। उससे छोटा एक भाई भी है। परिवार को अमन से काफी उम्मीदें थीं। उसकी मौत के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। मामले में पुलिस की कार्रवाई और जांच से जुड़ी विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

46 लाख की अल्ट्रासाउंड मशीनें चोरी,अस्पताल संचालक गिरफ्तार

बस्ती,संवाददाता। जिले की कप्तानगंज पुलिस और सर्विलांस टीम ने पैथोलॉजी सेंटरों से अल्ट्रासाउंड मशीनें और अन्य उपकरण चोरी करने के मामले का मंगलवार दोपहर 2.30 बजे खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान छावनी थाना क्षेत्र के पूरे काशीराम निवासी विपिन पांडेय के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 46 लाख रुपये कीमत की दो अल्ट्रासाउंड मशीनें और घटना में इस्तेमाल वैगनआर कार बरामद की है। आरोपी विक्रमजोत कस्बे में सूर्या हॉस्पिटल चलाता है। पुलिस के मुताबिक, कप्तानगंज कस्बे में स्थित सत्या पैथोलॉजी का ताला तोड़कर 23 सितंबर 2026 की रात अल्ट्रासाउंड मशीन, लैपटॉप, अन्य उपकरण और गल्ले से नकदी चोरी की गई थी।

इस मामले में 23 सितंबर को कप्तानगंज थाने में केस दर्ज किया गया था। संयुक्त टीम ने सोमवार 26 अक्टूबर को शाम 6.40 बजे बिहरा मोड़ के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ मेंआरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने करीब दो साल पहले विक्रमजोत में सूर्या हॉस्पिटल खोला था। आधुनिक मशीनें नहीं होने के कारण अस्पताल में मरीज कम आते थे। आरोप है कि इसके बाद उसने अपने साथी अभय पांडेय के साथ मिलकर मशीनें चोरी करने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, इस योजना में राजेश निषाद और विकास उर्फ विशाल भट्ट के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस के मुताबिक, सत्या पैथोलॉजी में 23 सितंबर की रात ग्राइंडर से ताला काटकर चोरी की गई थी। इसके बाद 16 अक्टूबर की रात लखनऊ के विक्टोरिया स्ट्रीट स्थित फर्स्ट स्कैन डायग्नोसिस सेंटर से भी अल्ट्रासाउंड मशीन चोरी करने का आरोप है। मशीनों को वैगनआर कार से सूर्या हॉस्पिटल ले जाने की बात सामने आई है। बरामद मशीनों में एक वोलुसन एस8टी की कीमत करीब 38 लाख और दूसरी मशीन की कीमत करीब आठ लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मामले में अन्य धाराएं बढ़ाकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

श्रीदेवी काम को लेकर बेहद अनुशासित थीं, हेतल यादव ने बताया साथ काम करने का अनुभव

अभिनेत्री हेतल यादव ने अपने करियर की शुरुआत कोरियोग्राफर के तौर पर की थी। इस दौरान उन्होंने इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों के साथ भी काम किया है, जिनमें दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी का नाम भी शामिल हैं। हेतल यादव ने श्रीदेवी के साथ अपने काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया और बताया कि उनसे उन्होंने क्या कुछ सीखा। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वह खुद को भाग्यशाली मानती हैं कि लंबे करियर में इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, मैंने अपने लंबे करियर में कई क्षेत्रीय फिल्मों में काम करने के साथ–साथ कमर्शियल हिंदी फिल्मों में भी किया है। हालांकि एक एक्टर के तौर पर मैंने श्रीदेवी के साथ काम नहीं किया है, लेकिन एक प्रोड्यूसर के तौर पर बोनी कपूर की कई फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कहा, फिल्म श्पुकारश के गाने की शूटिंग के दौरान मेरी मुलाकात श्रीदेवी से हुई थी और उनसे बातचीत करने का मौका मिला था। उस समय शायद उनकी बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर हो चुकी थी। मैंने श्री देवी में एक खासियत देखी कि वे अपने काम को लेकर बहुत अनुशासित और ईमानदार थीं और जो भी लोग उनके करीब हैं, वे इस बात से भली–भांति वाकिफ होंगे। हमारी इंडस्ट्री में आज ऐसे लोग कम ही देखने को मिलते हैं। अभिनेत्री हेतल यादव ने आगे इंडस्ट्री के बदलाव पर भी बात की। उनका मानना है आज के मुकाबले में पहले के समय नए एक्टर्स को ज्यादा संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने कहा, उस समय एक अलग तरह का संघर्ष था और अलग तरह की चुनौतियां थीं, हालांकि आज के समय में भी अलग तरह की चुनौतियां देखने को मिलती हैं, लेकिन इन सबमें ओटीटी, टेलीविजन या फिल्मों में आना बहुत आसान हो गया है। अब नए एक्टर्स के लिए बहुत सारे रास्ते खुल गए हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से दर्शकों के दिलों में जगह बनाना आसान हो गया है, खासकर उन लोगों को लिए जिनके पास संसाधन नहीं है। आज बहुत सारी सुविधाएं हैं जो पहले नहीं थीं।

बार– बार कर रहा है रोने का मन, तो समझो शरीर को है इस Vitamin की सख्त जरूरत

क्या आपको अक्सर थकान, बेचौनी या भावनात्मक रूप से खालीपन महसूस होता है तब भी जब जिंदगी सामान्य लग रही हो? बहुत से लोग उदासी, ध्यान न लगा पाने या लगातार थकान का अनुभव करते हैं, बिना यह जाने कि इसकी वजह पोषण की कमी जैसी कोई साधारण और नजरअंदाज की जाने वाली चीज हो सकती है। विटामिन बी–12 और दूसरे बी विटामिन ऐसे ब्रेन केमिकल बनाने में मदद करते हैं जो मूड और दिमाग के दूसरे कामों पर असर डालते हैं। बी–12, दूसरे बी विटामिन और फोलेट की कमी का संबंध डिप्रेशन से हो सकता है।

पोषण और मूड का संबंध

मूड को ठीक रखने, तनाव को संभालने और मुश्किल हालात में भी मानसिक रूप से मजबूत बने रहने के लिए आपके दिमाग को लगातार पोषक तत्वों की जरूरत होती है। जब शरीर में कुछ खास विटामिन या मिनरल की कमी हो जाती है, तो सेरोटोनिन, डोपामाइन और गाबा जैसे न्यूरोट्रांसमीटर का बनना प्रभावित हो सकता है जिससे ये लक्षण दिख सकते हैं।

—बेचौनी या घबराहट (पैनिक)

—उदासी और काम करने की इच्छा में कमी

—दिमाग का ठीक से काम न करना (ब्रेन फॉग) या ध्यान न लगा पाना

—लगातार थकान महसूस होना

—चिड़चिड़ापन या मूड का बार–बार बदलना

—नींद न आना या नींद की खराब क्वालिटी

तेज रफ्तार और भागदौड़ भरे माहौल में, जहां लंबे समय तक काम करना, घर के अंदर ज़्यादा समय बिताना और फास्ट फूड का चलन आम है, वहां इन पोषक तत्वों की कमी लोगों की सोच से कहीं ज़्यादा आम है।

इन चीजों में पाया जाता है विटामिन बी–12

बुजुर्गों, शाकाहारियों और पाचन संबंधी बीमारियों (जैसे सीलिएक रोग या क्रोहन रोग) वाले लोगों को पर्याप्त मात्रा में बी–12 पाने में परेशानी हो सकती है। अगर आपके शरीर में विटामिन बी–12 का लेवल कम है, तो रोजाना विटामिन बी–12 वाला सप्लीमेंट लेने से आपके शरीर को जरूरी विटामिन मिल सकते हैं। बी–12 और दूसरे विटामिन सप्लीमेंट कुछ दवाओं के साथ असर कर सकते हैं, खासकर ज़्यादा डोज में, इसलिए विटामिन सप्लीमेंट लेने से पहले अपने हेल्थकेयर प्रोफेशनल से बात करें। विटामिन बी–12 मछली, लीन मीट, पोल्ट्री, अंडे और कम फैट या बिना फैट वाले दूध जैसे एनिमल प्रोडक्ट्स में भरपूर मात्रा में पाया जाता है। दूसरे अच्छे सोर्स में वे फूड शामिल हैं जिनमें

बी–12 और दूसरे बी विटामिन मिलाए गए हैं, जैसे बी–12 से भरपूर ब्रेकफास्ट सीरियल।

एंग्जायटी और डिप्रेशन के लिए प्रोफेशनल मदद कब लें?

एंग्जायटी और डिप्रेशन मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बड़ी चुनौतियां हैं। अक्सर काउंसलिंग और दवाइयों से इन दोनों स्थितियों को संभाला जा सकता है। अगर आपको एंग्जायटी या डिप्रेशन के लक्षण महसूस हों, तो अपने डॉक्टर से बात करें। ध्यान रखें कि डिप्रेशन का रिस्क कम करने या डिप्रेशन के लक्षणों को कम करने में बी विटामिन की भूमिका साफ नहीं है और इस पर और रिसर्च की जरूरत है और कोई भी सप्लीमेंट डिप्रेशन के साबित इलाज, जैसे एंटीडिप्रेसेंट और मेंटल हेल्थ काउंसलिंग की जगह नहीं ले सकता।

सुबह की इन आदतों से रखें 'गुर्दों' का ख्याल, दिन की शुरुआत में ही करें ये छोटे बदलाव

सुबह की शुरुआत जिस तरह होती है, उसका असर आपकी पूरी दिनचर्या पर पड़ सकता है। रातभर सोने के दौरान शरीर को पानी नहीं मिलता, ऐसे में सुबह उठने पर हल्की डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी महसूस हो सकती है। यही वजह है कि सुबह उठते ही कुछ छोटी–छोटी आदतों पर ध्यान देना जरूरी है। ये आदतें न सिर्फ शरीर को दिनभर सक्रिय रखने में मदद कर सकती हैं, बल्कि किडनी यानी गुर्दों की सेहत का भी ख्याल रखने में सहायक हो सकती हैं। किडनी हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी अंग है। यह खून को फिल्टर करने, शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने और शरीर में पानी व कई जरूरी खनिजों का संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। इसलिए रोजमर्रा की कुछ आदतों को लेकर सावधानी बरतना जरूरी है।

सुबह उठते ही पिएं पानी

सुबह आंख खुलने के बाद एक गिलास पानी पीना दिन की अच्छी शुरुआत हो सकती है। रातभर पानी न पीने के कारण शरीर में तरल पदार्थ की थोड़ी कमी हो सकती है। ऐसे में सुबह चाय या कॉफी लेने से पहले पानी पीने की आदत डाली जा सकती है। हालांकि, हर व्यक्ति के शरीर की पानी की जरूरत एक जैसी नहीं होती। मौसम, उम्र, शारीरिक गतिविधि और स्वास्थ्य जैसी कई चीजों के आधार पर पानी की जरूरत बदल सकती है। इसलिए जबरदस्ती जरूरत से ज्यादा पानी पीने की बजाय शरीर की जरूरत के अनुसार तरल पदार्थ लेना बेहतर है।

पेशाब को ज्यादा देर तक रोकने की आदत छोड़ें

रातभर सोने के दौरान ब्लैडर में पेशाब जमा हो जाता है। इसलिए सुबह उठने के बाद पेशाब कर लेना बेहतर माना जाता है। सिर्फ सुबह ही नहीं, बल्कि दिनभर भी पेशाब की इच्छा होने पर उसे लंबे समय तक रोकने की आदत से बचना चाहिए। बार–बार या लंबे समय तक पेशाब रोकना अच्छी आदत नहीं है। अगर पेशाब से जुड़ी कोई परेशानी लगातार बनी हुई है, जैसे बार–बार पेशाब आना, पेशाब करते समय दर्द या जलन होना, तो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खाली पेट दर्द की दवा लेने से बचें

सिरदर्द, बदन दर्द या किसी दूसरी तकलीफ में कई लोग खुद से दर्द की दवा ले लेते हैं। कभी–कभार दवा लेने से ज्यादा चिंता की बात नहीं होती, लेकिन दर्दनिवारक दवाओं का बार–बार या गलत तरीके से इस्तेमाल किडनी के लिए नुकसानदायक

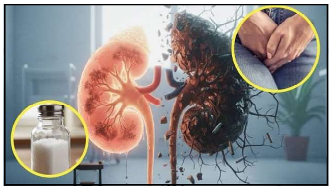

हो सकता है। खासकर अगर किसी व्यक्ति को पहले से किडनी की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर या दूसरी स्वास्थ्य समस्या है, तो बिना डॉक्टर की सलाह के दवाएं लेना ठीक नहीं है। किसी भी दवा को डॉक्टर द्वारा बताए गए तरीके और मात्रा के अनुसार ही लेना चाहिए।

एक्सरसाइज के बाद शरीर को हाइड्रेट रखें

सुबह टहलना, योग या एक्सरसाइज करना सेहत के लिए अच्छी आदत है। लेकिन वर्कआउट के दौरान पसीना निकलने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है। इसलिए एक्सरसाइज के बाद अपनी जरूरत के अनुसार पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। अगर आप लंबे समय तक या ज्यादा मेहनत वाली एक्सरसाइज करते हैं और काफी पसीना निकलता है, तो शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी पर भी ध्यान देना चाहिए। हालांकि, हर व्यक्ति के लिए जरूरत अलग हो सकती है।

नाश्ता करने की आदत डालें

व्यस्त जीवनशैली और वजन कम करने की कोशिश में कई लोग सुबह का नाश्ता छोड़ देते हैं। हालांकि, सिर्फ किडनी को स्वस्थ रखने के लिए नाश्ता जरूरी है, ऐसा कहना सही नहीं होगा। लेकिन दिन की शुरुआत संतुलित और पौष्टिक भोजन से करना पूरे शरीर की सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। नाश्ता छोड़ने के बाद कुछ लोगों को दिन में बहुत ज्यादा भूख लग सकती है और वे बाद में ज्यादा तला–भुना या अस्वास्थ्यकर खाना खा लेते हैं। इसलिए अपनी जरूरत और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार पौष्टिक नाश्ता करना बेहतर विकल्प हो सकता है।

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए दिनभर इन बातों का रखें ध्यान

किडनी की सेहत केवल सुबह की कुछ आदतों पर निर्भर नहीं करती।

इसके लिए पूरे दिन की जीवनशैली भी महत्वपूर्ण है। पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेना, संतुलित आहार खाना, नियमित शारीरिक गतिविधि करना और जरूरत से ज्यादा नमक खाने से बचना जैसी आदतें शरीर के लिए अच्छी रहती हैं। इसके अलावा डॉक्टर की सलाह के बिना दवाओं का लगातार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर आपको पहले से किडनी से जुड़ी कोई बीमारी है या डॉक्टर ने पानी पीने की मात्रा को लेकर कोई विशेष सलाह दी है, तो सामान्य नियमों के बजाय डॉक्टर की बताई दिनचर्या का ही पालन करें।

भतीजे के बर्थडे पर मायके पहुंचीं ऐश्वर्या राय, बेटी आराध्या संग मनाया जश्न

ग्लोबल आइकॉन ऐश्वर्या राय बच्चन अपने काम के साथ–साथ परिवार को भी समय देने से पीछे नहीं रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री अपने भतीजे शिवांश राय का जन्मदिन मनाने बेटी आराध्या राय बच्चन के साथ मायके गई थीं। अभिनेत्री की भाभी श्रीमा राय ने इस जश्न की झलकियां अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर कीं, जिनमें ऐश्वर्या, आराध्या, उनके पति आदित्य राय, सास वृंदा राय और उनके बच्चे नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में परिवार बर्थडे बॉय के साथ केक काटते हुए दिख रहा है, टेबल पर केक और फूलों का गुलदस्ता रखा हुआ है। एक तस्वीर में श्रीमा बर्थडे बॉय को केक खिलाती हुई नजर आ रही हैं, जबकि परिवार उनके आसपास इकत्र्रा है। एक और तस्वीर में आराध्या और उनके कजिन ऐश्वर्या के साथ पोज देते हुए दिख रहे हैं। तस्वीरों में घर की दीवार पर लगी फैमिली फोटो वॉल की भी झलक दिख रही है, जिसमें फ्रेम में लगी कई तस्वीरें हैं। इस फोटो डिस्प्ले में उनके जीवन के अलग–अलग पड़ावों की तस्वीरें शामिल हैं, जिनमें ऐश्वर्या क माता–पिता, परिवार के सदस्य और नई पीढ़ी की तस्वीरें हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए श्रीमा ने लिखा, मेरे क्यूटी पाई शिवांश राय को जन्मदिन की बधाई। आपका जीवन और ज्यादा मस्ती, प्रकृति के साथ ज्यादा समय, ज्यादा हंसी और मस्ती–मजे से बीते। मुझे आप पर गर्व है। अभिनेत्री ऐश्वर्या अपनी मां वृंदा राय और भाई आदित्य राय के साथ खास बॉन्ड शेयर करती हैं। वे अपने परिवार के साथ खास मौकों और त्योहारों (जैसे रक्षाबंधन) पर समय बिताती हैं। ऐश्वर्या की भाभी श्रीमा राय के साथ उनके रिश्तों को लेकर बीच–बीच में सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं और अटकलें सामने आती रही हैं।

मां बनने के बाद प्रेग्नेंसी के दिनों को लेकर करिश्मा तन्ना ने की खुलकर बात

हाल ही में मां बनीं अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद अपने शरीर को लेकर होने वाली परेशानियों के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि कभी–कभी उन्हें अपनी प्रेग्नेंसी से पहले वाली बॉडी की याद आती है और बच्चे के जन्म के बाद शरीर में आए बदलावों के साथ तालमेल बैठाना उन्हें मुश्किल लगता है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपने पेट के ढीलेपन, त्वचा के ढीले होने और शरीर के आकार में आए बदलावों के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने खुद को याद दिलाया कि उनके बच्चे के जन्म को अभी सिर्फ ढाई महीने ही हुए हैं। उन्होंने जिम की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उनके शरीर में आए बदलावों की झलक देखने को मिली। करिश्मा ने कैप्शन में लिखा, कभी–कभी, मुझे अपनी प्रेग्नेंसी से पहले वाली बॉडी बहुत याद आती है। जब मैं आईने में देखती हूं, तो मुझे अपना पेट ढीला लगता है, त्वचा ढीली दिखती है और मेरा शरीर पहले के मुकाबले बड़ा हो गया है। शॉपिंग करना बहुत थकाऊ लगता है और कभी–कभी तो मेरा तैयार होने का भी मन नहीं करता। अभिनेत्री ने कहा, फिर मुझे खुद को प्यार से याद दिलाना पड़ता है। मेरे अंदर एक नन्हा इंसान पल रहा था। मेरे शरीर ने उसकी जिंदगी के लिए जगह बनाई। अभी तो बस ढाई महीने ही हुए हैं, मैं इतनी जल्दी खुद से इतनी उम्मीदें क्यों लगा रही हूं? मैं अपने शरीर के लिए आभारी भी हो सकती हूं और साथ ही इसमें आए बदलावों को मुश्किल भी मान सकती हूं। मैं मां बनने के अनुभव से प्यार भी कर सकती हूं और साथ ही खुद को महसूस करने की कमी भी महसूस कर सकती हूं। करिश्मा ने कहा कि माएं भी उसी कोमलता की हकदार हैं, जो वे अपने बच्चों को देती हैं। उन्होंने कहा, तो अब मैं खुद को कम आलोचनात्मक नजरिए से और ज्यादा दयालुता के साथ देखना सीख रही हूं। मैं खुद को ठीक होने, मजबूत महसूस करने और फिर से सहज महसूस करने के लिए समय दे रही हूं। जो भी मां ऐसा महसूस कर रही है, उसे बता दूं, आप अकेली नहीं हैं। हम भी उसी कोमलता की हकदार हैं, जो हम अपने बच्चों को देती हैं। 6 अप्रैल को करिश्मा और उनके पति वरुण बंगेरा ने घोषणा की थी कि वे पहली बार माता–पिता बनने जा रहे हैं। करिश्मा और वरुण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए यह खुशखबरी साझा की थी। जुलाई में उनके यहां एक बेटे का जन्म हुआ।

मोर्ने मोर्केल ने किया भुवनेश्वर का बचाव, बाहरी शोर को नजरअंदाज करने की दी सलाह

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत के बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्केल ने सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का बचाव किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टी20 मैचों में भुवनेश्वर काफी महंगे साबित हुए थे, लेकिन मोर्केल का कहना है कि उन्हें बाहरी शोर के बारे में नहीं सोचना चाहिए और बस अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान देना चाहिए। चार साल बाद टी20 टीम में भुवनेश्वर की वापसी वैसी नहीं रही जैसी उन्होंने सोची होगी। उन्होंने अपने कोटे के ओवरों में क्रमशरू 49 और 50 रन दिए हैं। उनका इकॉनमी रेट 12.37 रहा, जो भारतीय गेंदबाजों में सबसे खराब था। मोर्केल ने बताया कि उन्होंने भुवनेश्वर को सलाह दी है कि वे किसी चीज के पीछे न भागें और उम्मीदों के दबाव को पूरी तरह से भूल जाएं। मंगलवार को होने वाले तीसरे टी20 मैच से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोर्केल ने कहा, की है। सबसे पहली बात तो यह है कि उन्हें उम्मीदों के दबाव को नजरअंदाज कर देना चाहिए।

भुवनेश्वर की वापसी को लेकर मुझे काफी सहानुभूति है। ऐसा इसलिए है क्योंकि चार साल बाद वापसी करने पर लोगों की उम्मीदें होना स्वाभाविक है। उन्होंने आईपीएल में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और शानदार गेंदबाजी उन्होंने आगे कहा, दूसरी बात, उनके चयन से पहले उन्होंने एक महीने तक ट्रेनिंग तो की, लेकिन इंटरनेशनल क्रिकेट का स्तर बिल्कुल अलग होता है, जहां छोटी–छोटी गलतियों का भी बड़ा असर पड़ता है। शेड्यूल की वजह से उन्हें बहुत कम ट्रेनिंग के साथ ही खुद को तैयार करना पड़ा। इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी से पहले 36 वर्षीय भुवनेश्वर ने आखिरी बार नवंबर 2022 में एडिलेड ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। पिछले दो सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन की बदौलत इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने नेशनल टीम में अपनी जगह फिर से बनाई। भुवनेश्वर ने पिछले दो आईपीएल सीजन में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए कुल 45 विकेट लिए और टीम को चौंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। नई गेंद के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने और अपने भरपूर अनुभव के दम पर उन्हें भारत की टी20 टीम में एक और मौका मिला है।

युकी भांबरी–रयान सेगरमैन की जोड़ी ने जीता मेंस डबल्स का खिताब

अल्माटी, एजेंसी। भारत के युकी भांबरी और अमेरिका के रयान सेगरमैन की जोड़ी ने रविवार को एटीपी 250 अल्माटी ओपन में मेंस डबल्स का खिताब अपने नाम किया। इस जोड़ी ने रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रिया के लुकास मीडलर और नील ओबरलीटनर को तीन सेटों में हराया। 1 घंटे 26 मिनट तक चले इस मुकाबले में भारतीय–अमेरिकी जोड़ी ने अल्माटी एरिना में 7–6(3), 6–7(1), ख10–2, से जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की। यह भांबरी का पांचवां एटीपी टूर खिताब है। पहला सेट काफी कड़ा रहा, जिसमें दोनों टीमों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी सर्विस बरकरार रखी। अंत में, सेट का फैसला टाईब्रेक में हुआ, जहां भांबरी और सेगरमैन ने 7–3 से जीत हासिल की।

यह उपलब्धि उतनी अहम नहीं, रियल मैड्रिड के लिए 100 गोल पूरे करने पर बोले एमबाप्पे

बार्सिलोना, एजेंसी। रियल मैड्रिड के लिए 100 गोल पूरे करने के बाद स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे ने कहा कि यह उपलब्धि उतनी अहम नहीं है, क्योंकि अभी और भी कई गोल आने बाकी हैं। एमबाप्पे ने एल क्लासिको के दौरान रियल मैड्रिड के लिए अपने 100 गोल पूरे किए। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जिससे कैंप नोउ में टीम की जीत पक्की हो गई। उन्होंने अपने 116वें मैच में यह मुकाम हासिल किया। रियल मैड्रिड के लिए उनके 100 गोल इस प्रकार हैंरू ला लीगा में 67, चौंपियंस लीग में 25, कोपा डेल रे में 4, क्लब वर्ल्ड कप में 2, यूईएफए सुपर कप में 1 और स्पेनिश सुपर कप में 1 गोल। एमबाप्पे क्लब के साथ अपने पहले सीजन में 44 गोल किए, पिछले सीजन में 42 गोल किए, और इस सीजन में अब तक 14 गोल आत्मविश्वास बढ़ेगा, और आगे भी कई गोल होंगे, इसलिए यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।

कर चुके हैं। एमबाप्पे ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। सभी जानते हैं कि मुझे गोल करना और इस तरह टीम की मदद करना पसंद है। हालांकि, मुझे लगता है कि यह बस एक छोटी सी बात है, क्योंकि सबसे अहम चीज टीम की जीत और पूरी टीम की मेहनत है। इस जीत से टीम का उन्होंने आगे कहा, इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, क्योंकि हमें पता था कि हमें एक मजबूत खेल दिखाना है, और वह भी एक टीम के रूप में। हमने पिछले कुछ मैचों में अच्छी तैयारी की थी, जिसका नतीजा यह रहा कि हम जीते और अच्छा खेले।

शिक्षा बोर्ड ने एचटेट 2026के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा

- परीक्षा तिथियां 26और 27दिसंबर संभव

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (ठैम्) द्वारा हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (भ्ज्म्ज्) 2026 का आयोजन इसी साल करने की तैयारी तेज हो गई है। बोर्ड ने परीक्षा के लिए आगामी 26 और 27 दिसंबर की तिथियों का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा है। सरकार से हरी झंडी मिलते ही परीक्षा की आधिकारिक तारीखों की घोषणा कर दी जाएगी। शिक्षा बोर्ड के सचिव दीपक बाबूलाल करवा ने बताया कि बोर्ड परीक्षा के सफल आयोजन के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके लिए बायोमेट्रिक, सीसीटीवी और डेटा प्रोसेसिंग जैसी जरूरी एजेंसियों का चयन और टेंडरिंग प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है। कोर्ट के दिशा–निर्देशों के तहत यह परीक्षा हर साल आयोजित की जानी अनिवार्य है।

एचटेट 2025 में 16.57 फीसदी अभ्यर्थी हुए पास

देरी के चलते एचटेट 2025 की परीक्षा का आयोजन इसी साल 4 और 5 जुलाई को किया गया था, जिसका परिणाम 22 अगस्त को घोषित हुआ। इस परीक्षा में कुल 2.33 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1.92 लाख ने परीक्षा दी।

कुल 31,847 (16.57:) स्टूडेंट्स पास हुए, जो पिछले 10 वर्षों में दूसरा सबसे बेहतर परिणाम है। लेवल के अनुसार, ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर (लेवल–2) का परिणाम सबसे शानदार 20.71 फीसदी रहा, जबकि प्राइमरी टीचर (लेवल–1) का रिजल्ट सबसे कम महज 3.53 फीसदी दर्ज किया गया। पोस्ट ग्रेजुएट टीचर (लेवल–3) में 16.5 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल रहे।

बोर्ड ने एचटेट 2025 के उन अभ्यर्थियों को राहत दी है जिनका परिणाम बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन न होने के कारण अटका हुआ है। ऐसे अभ्यर्थियों को 6 और 7 नवंबर को शिक्षा बोर्ड मुख्यालय, भिवानी के कमरा नंबर–28 में उपस्थित होकर अपनी वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी करने का अंतिम अवसर दिया गया है।

पहले तीन मौकों पर अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों को तय जुर्माना राशि जमा करानी होगी।

वेरिफिकेशन के लिए अभ्यर्थियों को अपना मूल प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) और फोटोयुक्त मूल पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।

फिलिप आइलैंड में होने वाली आखिरी मोटोजीपी रेस रद्द

मेलबर्न, एजेंसी। खराब मौसम के कारण रविवार को फिलिप आइलैंड में होने वाली आखिरी ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री रद्द कर दी गई। इस वजह से मार्क मार्केज को घायल जॉर्ज मार्टिन के खिलाफ अपनी मोटोजीपी चौंपियनशिप की बढ़त बढ़ाने का मौका नहीं मिल सका। बारिश और कम विजिबिलिटी (साफ न दिखाई देने) के कारण पहले रेस में देरी हुई, और बाद में आयोजकों ने इसे रद्द करने का फैसला किया। रेस शुरू होने का तय समय स्थानीय समयानुसार दोपहर 2 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 8.30 बजे) था, लेकिन मौसम में सुधार की उम्मीद में इसे शाम 4.30 बजे तक के लिए टाल दिया गया था। हालांकि, खराब विजिबिलिटी के चलते पिटलेन खुलने से 25 मिनट पहले ही आयोजकों ने रेस रद्द करने का फैसला ले लिया।

रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को 2–1 से हराया, एमबाप्पे बने जीत के नायक

बार्सिलोना, एजेंसी। ला लीगा के मुकाबले में रियल मैड्रिड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एफसी बार्सिलोना को 2–1 से शिकस्त दी। मैड्रिड के जीत के नायक किलियन एमबाप्पे रहे, जिन्होंने इस मुकाबले में 2 गोल दागते हुए क्लब की ओर से अपने 100 गोल भी पूरे किए। मैच की शुरुआत जूड बेलिंगहम के शानदार खेल से हुई। उन्होंने बेहतरीन तरीके से गेंद को घुमाते हुए अर्दा गुलेर को पास दिया, जिन्होंने आगे एडुआर्डो कामाविंगा के लिए मौका बनाया। इसके बाद किलियन एमबाप्पे ने चतुराई दिखाते हुए गेंद को पाउ कुबारसी के पास से निकाल दिया, जिससे मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ने गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। पहले हाफ में रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को ज्यादा मौके नहीं दिए और उसके हमलों को अच्छी तरह रोके रखा। मैड्रिड के 1–0 की बढ़त लेने से पहले

अर्दा गुलेर को भी दो अच्छे मौके मिले थे। मैच के सिर्फ चार मिनट बाद उनका पहला शॉट गोल पोस्ट से कुछ सेंटीमीटर दूर निकल गया। 14 मिनट बाद उन्हें दूसरा मौका मिला, जिसे जोन गार्सिया ने बचा लिया। 41वें मिनट में मैड्रिड की टीम ने शानदार तालमेल दिखाते हुए गोल का सूखा खत्म किया। यान डायोमांडे ने एक बेहतरीन क्रॉस दिया। हालांकि, गेंद को क्लियर करने की कोशिश में जेरार्ड मार्टिन से टकराकर गेंद एमबाप्पे के पास चली गई, जिन्होंने अपनी दाएं पैर से उसे गोल में पहुंचा दिया। दो मिनट बाद ही बार्सिलोना ने वापसी की कोशिश की, लेकिन लामिन यमल करीब से गोल करने से चूक गए। हाफ टाइम से ठीक पहले स्कोर 0–2 हो सकता था, जब डायोमांडे सीधे जोन गार्सिया के सामने आ गए, लेकिन उनका शॉट गोल पोस्ट के किनारे (साइड नेटिंग) पर जाकर लगा। दूसरे हाफ में भी मैच का रुख ज्यादा नहीं बदला। रियल मैड्रिड ने मजबूत डिफेंस किया और तेज जवाबी हमलों से बार्सिलोना की टीम को लगातार परेशानी में डाले रखा। 56वें मिनट में जोआओ कैंसिलो ने यान डायोमांडे की जांघ के पीछे जोरदार टक्कर मारी। इसके बाद मैड्रिड के खिलाड़ियों ने कैंसिलो को रेड कार्ड दिखाने की मांग की।

भारत–नीदरलैंड्स आर्थिक रिश्तों को नई मजबूती, व्यापार और निवेश बढ़ाने पर जोर : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नीदरलैंड्स के साथ व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई है। अपनी नीदरलैंड्स यात्रा के दौरान उन्होंने समुद्री परिवहन, लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और भारतीय समुदाय से जुड़े कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया तथा दोनों देशों के बीच नई आर्थिक संभावनाओं पर चर्चा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने यूरोप के सबसे बड़े बंदरगाह पोर्ट ऑफ रॉटरडैम का दौरा किया, जहां उनके साथ बंदरगाह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बोडेवाइन सीमोंस भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रॉटरडैम यूरोपीय बाजारों तक भारतीय उत्पादों की पहुंच का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है और वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति शृंखलाओं में इसकी रणनीतिक भूमिका बेहद अहम है। गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच पोर्ट–आधारित विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार, सप्लाई चेन कनेक्टिविटी को मजबूत करने और व्यापार एवं निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा देने पर विचारों का आदान–प्रदान हुआ। उन्होंने कहा कि भारत अपने बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और विश्वस्तरीय समुद्री अवसंरचना के विकास पर तेजी से काम कर रहा है तथा इस क्षेत्र में नीदरलैंड्स की विशेषज्ञता भारत के लिए काफी उपयोगी हो सकती है। उन्होंने कहा कि भारत और नीदरलैंड्स के बीच समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं, विशेष रूप से ऐसे समय में जब भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच रही है।

लगातार गिरावट के बाद सोने–चांदी में लौटी चमक, सिल्वर में 0.74 प्रतिशत की उछाल, फेड बैठक पर निवेशकों की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। कई दिनों की लगातार गिरावट के बाद हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में रिकवरी देखने को मिली। पिछले सप्ताह सोना और चांदी दोनों तेज दबाव में रहे थे, लेकिन कारोबारी सप्ताह के पहले दिन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में खरीदारी लौटने से दोनों कीमती धातुओं के भाव में तेजी दर्ज की गई। हालांकि बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह फिलहाल तकनीकी रिकवरी है और निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 27–28 अक्टूबर को होने वाली नीतिगत बैठक और अमेरिका के पीसीई मुद्रास्फीति आंकड़ों पर बनी हुई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर वायदा भाव करीब 0.50 प्रतिशत यानी 761 रुपए चढ़कर 1,42,733 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार करता दिखाई दिया। वहीं चांदी का दिसंबर वायदा भाव

0.49 प्रतिशत यानी 968 रुपए की तेजी के साथ 1,96,687 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया। वहीं दिन के कारोबार में सोना एक समय अपने पिछले बंद भाव 1,42,024 रुपए से 864 रुपए यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 1,42,888 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, तो वहीं चांदी एक समय अपने पिछले बंद 1,95,719 रुपए से 1,467 रुपए यानी 0.74 प्रतिशत उछलकर 1,97,186 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। पिछले सप्ताह सोना करीब 4 प्रतिशत और चांदी 7 प्रतिशत से अधिक टूट गई थी, ऐसे में निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी दिखाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोना और चांदी दोनों में सुधार देखा गया। सोमवार सुबह के कारोबार में सोना 0.48 प्रतिशत चढ़कर 4,027 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया, हालांकि इसने 0.50 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ 4,032.90 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छुआ।वहीं, सुबह के कारोबार में चांदी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 54.35 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती नजर आई। हालांकि कारोबारी सत्र में इसने 0.90 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के साथ 54.47 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छुआ। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह स्पॉट गोल्ड पहली बार जुलाई के बाद 4,000 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसल गया था, जिससे बाजार में भारी दबाव बन गया था। विश्लेषकों के अनुसार, 4,000 डॉलर का स्तर सोने के लिए एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक समर्थन (सपोर्ट) क्षेत्र साबित हो रहा है। हालिया गिरावट के बाद इस स्तर पर खरीदारी लौटने से कीमतों को सहारा मिला है। हालांकि अभी भी बाजार में सावधानी बनी हुई है क्योंकि ऊंची ऊर्जा कीमतें महंगाई संबंधी चिंताओं को बढ़ा रही हैं। बाजार की सबसे बड़ी नजर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर है। विशेषज्ञों के अनुमानों के मुताबिक, अक्टूबर की बैठक में ब्याज दर बढ़ने की संभावना सीमित है, लेकिन दिसंबर में दर बढ़ोतरी की आशंका अभी भी बनी हुई है। यही वजह है कि सोने और चांदी में बड़े निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं।

नया फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन प्रोडक्ट लॉन्च किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्राइवेट सेक्टर के बड़े बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपनी तरह का पहला फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन लॉन्च किया है। यह इलेक्ट्रिक गाड़ियों (ईवी) की खरीद को फाइनेंस करने के लिए एक नया ऑटो लोन प्रोडक्ट है। फ्लेक्सी इलेक्ट्रिक कार लोन, ईवी गाड़ी की बॉडी और बैटरी के लिए अलग–अलग लोन देगा। बैटरी लोन को लंबे समय में चुकाया जा सकता है। इससे ईएमआई आउटफ्लो को कस्टमाइज करने की फ्लेक्सिबिलिटी मिलेगी। यह लोन अब देश भर में बैंक की 9700 से ज्यादा ब्रांच में लाइव है।ईवीज का मौजूदा कॉस्ट स्ट्रक्चर, इंटरनल कम्बशन इंजन (आईसीई) गाड़ियों की तुलना में गाड़ियों को खरीदने की कॉस्ट को ज्यादा बनाता है, क्योंकि बैटरी इलेक्ट्रिक गाड़ी का सबसे महंगा हिस्सा होती है।

ग्रोथ अनुमान घटाने से श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में 6 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट, 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को एनबीएफसी कंपनी श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में जोरदार बिकवाली देखने को मिली। कंपनी द्वारा ऋण वृद्धि (लोन ग्रोथ) के अनुमान में कटौती और क्रेडिट लागत बढ़ने की आशंका जताने के बाद निवेशकों ने शेयर से दूरी बनाई, जिसके चलते यह निफ्टी का सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला शेयर बन गया। दिन के कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर 6.33 प्रतिशत तक टूटकर 810.20 रुपए के इंट्रा–डे निचले स्तर पर पहुंच गया। दोपहर करीब 12रू10 बजे यह स्टॉक 5.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 821.20 रुपए पर कारोबार करता नजर आया। शेयर में गिरावट ऐसे समय आई है जब कंपनी ने दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर मुनाफा दर्ज किया है। हालांकि निवेशकों का ध

यान कंपनी के भविष्य के आउटलुक पर रहा। श्रीराम फाइनेंस ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए अपने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) वृद्धि अनुमान को 18 प्रतिशत से घटाकर 15–17 प्रतिशत कर दिया है। कंपनी ने इसके पीछे कमजोर मानसून, भू–राजनीतिक अनिश्चितताओंऔर सूखा प्रभावित क्षेत्रों में कर्जदारों पर बढ़ते वित्तीय दबाव को प्रमुख कारण बताया है। विश्लेषकों का कहना है कि कंपनी की परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। वैश्विक ब्रोकरेज जैफरीज के अनुसार महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में दबाव के कारण अगले एक–दो तिमाहियों तक क्रेडिट लागत ऊंची बनी रह सकती है। वहीं घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने कहा कि बढ़ते स्लिपेज और राइट–ऑफ यह संकेत देते हैं कि कई क्षेत्रों में सूखा जैसी परिस्थितियों का असर उधारकर्ताओं की भुगतान क्षमता पर पड़ा है। हालांकि संस्था का मानना है कि कुल मिलाकर कंपनी की एसेट क्वालिटी अभी भी अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। ब्रोकरेज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ष्कंपनी के तिमाही नतीजे मिश्रित रहे। उच्च नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) और कम परिचालन खर्च के कारण प्री–प्रोविजन ऑपरेटिंग प्रॉफिट (पीपीओपी) अनुमान से बेहतर रहा।

सरकार ने फ्लेक्स–फ्यूल वाहनों के नियमों में किया बदलाव

नयी दिल्ली, एजेंसी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन अधिसूचित कर दिए, जिससे शुद्ध रूप से एथनॉल वाले ईंधन ई–100 पर चलने वाले फ्लेक्स–फ्यूल वाहनों का रास्ता साफ हो गया है। फ्लेक्स–फ्यूल वाहन ई85 (85 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) तथा ई100 जैसे उच्च एथनॉल मिश्रण वाले ईंधन पर चलने के लिए भी सक्षम बनाए जाते हैं। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ई20 (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल का मिश्रण) से अधिक और ई100 तक के ईंधन विकल्पों का इस्तेमाल केवल उन्हीं वाहनों में किया जा सकेगा, जिन्हें इसके लिए डिजाइन और प्रमाणित किया गया है।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.55 लाख करोड़ रुपए घटा, एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक नुकसान

मुंबई, एजेंसी। पिछले सप्ताह भारत की 10 सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनियों में से आठ का कुल बाजार पूंजीकरण 1.55 लाख करोड़ रुपए घट गया। इसकी वजह शेयर बाजार में बड़े स्तर पर बिकवाली होना था। इस दौरान एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह के दौरान प्रमुख शेयर सूचकांकों पर भारी दबाव देखने को मिला। सेंसेक्स 1,605.44 अंक यानी 2.15 प्रतिशत गिर गया, जबकि निफ्टी में 546.15 अंक यानी 2.36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। व्यापक बाजार में कमजोरी का असर दिखाते हुए बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण चार कारोबारी सत्रों में 20.79 लाख करोड़ रुपए घट गया। यह 16 अक्टूबर के 472.62 लाख करोड़ रुपए से गिरकर 451.83 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण में कुल 1,55,671.9 करोड़ रुपए की गिरावट आई। इसके विपरीत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ऐसी दो कंपनियां रही।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352

आर.एन.आई.रूUPHIN/2008/32231

डाक पंजीयन : जी–2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004.

E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे

कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे '

संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी

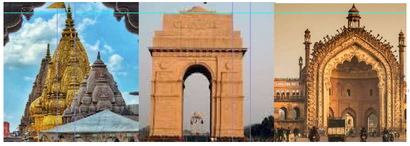

भारत विकास परिषद ने दीपावली परिवार मिलन कार्यक्रम का किया आयोजन

□ दीपावली सिर्फ दीप जलाने तक सीमित नहीं : धर्मसागर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम। दीपावली के पावन अवसर पर सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद की कल्पना चावला शाखा द्वारा सेक्टर–4 स्थित वैश्य समाज धर्मशाला में दीपावली परिवार मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण पर बल दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फोरबा के चेयरमैन धर्मसागर तथा विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रांतीय महासचिव राजीव छाबड़ा एवं प्रांतीय कोषाध्यक्ष नरेश शर्मा शामिल हुए। चेयरमैन धर्मसागर ने कहा कि पारिवारिक प्रेम से समाज में सद्भाव और सद्भाव से राष्ट्र मजबूत बनता है। दीपावली निराशा से आशा और कटुता से प्रेम की ओर बढने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ये केवल शब्द नहीं, बल्कि सशक्त भारत के निर्माण का आधार हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से दीपावली की सार्थकता को उजागर किया ।इस आयोजन को सफल बनाने में संरक्षक एपी पुरवार, अध्यक्ष अनु आनंद, सचिव आदर्श आर्या, कोषाध्यक्ष अंजू सहरावत, महिल सहभागिता पूनम शाह, संपर्क संयोजक बीएल अग्रवाल, सेवा संयोजक महेश नागपाल, संस्कारसंयोजक मीनू सरोच, पर्यावरण संयोजक मनिंदर सोनी, मीडिया प्रभारी दीपक गहलोत, ऐप प्रबंधक जतिन शर्मा आदि का सहयोग रहा।

बोधराज सीकरी का 73वां जन्मदिन धूम धाम से मनाया गया, उमड़े गणमान्य लोग

गुरुग्राम। प्रमुख समाजसेवी, पंजाबी बिरादरी महासंगठन के चेयरमैन व भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बोधराज सीकरी का 73वां जन्मदिवस सोमवार देर सायं सैक्टर 17 स्थित ब्लिस बैंक्वेट हॉल में भव्य व आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने फोन कर सीकरी को शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया।

मंच संचालन डॉ. अशोक दिवाकर व डॉ. परमेश्वर अरोड़ा ने किया। पटौदी हरि मंदिर आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी धर्म देव महाराज के आशीर्वचनों ने माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। इस अवसर पर श्री गोपी नाथ मंदिर के विनोद गोसाई व डॉ. अलका शर्मा भी उपस्थित रहे। प्रसिद्ध भजन गायिका लका गोयल के भजनों पर लोग झूम उठे।

सनातन प्रचार के लिए सभी को ग्रंथ रूप में श्री हनुमान चालीसा भेंट की गई।

कार्यक्रम में मैनकाइंड फार्मा के चेयरमैन रमेश जुनेजा, असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी, हरियाणा विधानसभा के उप सभापति डॉ. कृष्ण मिढ्ढा, विधायक मुकेश शर्मा, तेजपाल तंवर, घनश्यामदास अरोड़ा, विनोद भ्याना, महापौर राजरानी मल्होत्रा, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, सुभाष सुधा व सीमा त्रिखा सहित प्रदेशभर से आए हजारोंसामाजिक, राजनीतिक व व्यावसायिक दिग्गजों ने सीकरी को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सभी आगंतुकों का तहे दिल से आभार व्यक्त किया।

किम की हालिया चीन यात्रा से दक्षिण कोरिया को उम्मीद

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने सोमवार को उम्मीद है कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग–उन की चीन के सीमावर्ती शहर डंडोंग यात्रा के नतीजे सकारात्मक होंगे। उनके मुताबिक, महाद्वीप में शांति स्थापित आएगी और पड़ोसी देशों के साथ बातचीत फिर से शुरू हो सकेगी। किम ने शनिवार को डंडोंग का कथित तौर पर औचक दौरा किया, जहां उन्होंने चीन के चौथे सबसे वरिष्ठ अधिकारी वांग हुनिंग से मुलाकात की। उत्तर कोरिया और चीन अपने पारंपरिक संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता यूं मिन–हो ने एक नियमित ब्रीफिंग में कहा, हमें उम्मीद है कि इस दौरे से कोरियाई प्रायद्वीप में शांति

और स्थिरता आएगी, और पड़ोसी देशों के साथ बातचीत फिर से शुरू हो सकेगी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस अटकल पर कि किम की यह यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ होने वाले संभावित शिखर सम्मेलन से जुड़ी हो सकती है, यूं ने कहा कि सरकार बारीकी से नजर रख रही है और अगर ऐसी कोई बैठक होती है, तो वह जो कुछ भी कर सकती है, जरूर करेगी। डंडोंग में किम के एक दिवसीय दौरे के दौरान बस फैक्ट्री जाने पर, उन्होंने कहा कि मंत्रालय बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचे घटनाक्रम पर नजर रखेगा, क्योंकि उत्तर कोरिया ने इस दौरे का उद्देश्य नहीं बताया है। फैक्ट्री के इस दौरे को इस संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

हरियाणा दिवस पर बड़ा तोहफा : अब मध्यम वर्ग को भी मिलेगा 'चिरायु' योजना का लाभ

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने 1 नवंबर, 2026 से शचिरायुश स्वास्थ्य बीमा योजना का दायरा बढ़ा दिया है। अब 3 लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले मध्यम और उच्च आय वर्ग के परिवार भी मामूली वार्षिक योगदान देकर हर साल ध्5 लाख तक का कैशलेस इलाज करा सकेंगे ।स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा के अनुसार, इस विस्तारित योजना के नियम इस प्रकार हैं। ' सालाना योगदान : 3 लाख से ध्6 लाख तक की आय वाले परिवारों को 4,000 और 6 लाख से अधिक आय वालों को 5,000 प्रति वर्ष देने होंगे। ध्1.80 लाख से ध्3 लाख तक की आय वाले परिवार 1,500 देकर लाभ लेते रहेंगे।

' प्रमुख लाभ : योजना में परिवार के आकार या उम्र की कोई सीमा नहीं है। सभी पहले से मौजूद बीमारियां, अस्पताल में भर्ती होने से 3 दिन पहले और डिस्चार्ज के 15 दिन बाद तक का खर्च इसमें शामिल है। देशभर के पैनलबद्ध अस्पतालों में इलाज की सुविधा मिलेगी। ' ये नहीं होंगे पात्र : सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी, ब्ळभ्, म्ैब्, रेलवे या सशस्त्र बलों की चिकित्सा सुविधाओं का लाभ लेने वाले लोग इसमें पात्र नहीं होंगे। 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों को वय वंदना योजना में कवर किया जाएगा।

विधानसभा में कांग्रेसियों को रोकने पर परगट सिंह भड़के, कहा– विपक्ष की आवाज दबा रही आप सरकार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा में कांग्रेस विधायकों का प्रवेश रोकने और विधायक सुखपाल सिंह खैहरा के निलंबन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह ने आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार विपक्ष की आवाज दबाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही है। परगट सिंह ने कहा कि निर्वाचित और महिला विधायकों को सदन में जाने से रोकना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने सरकार को पंजाब के पानी, बेअदबी और लैंड पूलिंग नीति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर पूरी तरह विफल करार दिया। उन्होंने कहा कि जल अधिकारों, ठैठ के 50 किमी अधिकार क्षेत्र और डैम सेफ्टी एक्ट जैसे गंभीर मामलों में केवल विधानसभा प्रस्ताव पास करने के बजाय मजबूत कानूनी पैरवी की जरूरत है।

बेअदबी के मामलों में ठोस कार्रवाई न होने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने लैंड पूलिंग नीति का भी कड़ा विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की सहमति के बिना उनकी जमीन कॉरपोरेट घरानों को सौंपना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि जनता इस कार्यप्रणाली का जवाब 2027 के विधानसभा चुनाव में देगी।

गुप्त चेंबर वाले पिकअप से चार करोड़ रुपये नकद बरामद

दुर्ग, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में खुर्सीपार पुलिस ने वाहन जांच के दौरान एक पिकअप से चार करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, पिकअप के पिछले हिस्से को मॉडिफाई कर उसमें विशेष गुप्त चेंबर बनाया गया था, जिसमेंनकदी छिपाकर रखी गई थी। मामले में वाहन सवार दो व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सफेद रंग का बोलेरो मैक्स पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 04 क्यूयू 5996 रायपुर से नागपुर की ओर जा रहा था।